दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-160, भोपाल, रविवार 24 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"दीर्घायु होना नहीं बल्कि जीवन की गुणवत्ता का महत्त्व होता है।"
- मार्टिन लूथर किंग, जूनियर

पीएम मोदी से मिले सीएम शिवराज सिंह चौहान, इंवेस्टर समिट का दिया निमंत्रण

भोपाल। शनिवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर कई मुद्दों पर चर्चा की और कई बड़े फैसले लिए। चर्चा के बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर बताया कि इस बार हम 20 लाख मीट्रिक टन गेहूं और निर्यात कर सकते है। केंद्र और राज्य दोनों मिलकर रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे, इस पर भी बात हुई है। इंदौर में जनवरी में इन्वेस्टर समिट होगी, मई में मध्यप्रदेश में स्टार्टअप्स की पॉलिसी लॉन्च करेंगे, इसमें प्रधानमंत्री जी वर्चुअली जुड़ेंगे। सीएम शिवराज ने बताया कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से भेंट की और मध्यप्रदेश में चल रहे विकास और जनकल्याण के कार्यों की जानकारी दी। प्रधानमंत्री जी मैन ऑफ आइडियाज हैं। उनसे कई तरह के सुझाव और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। उनको हम मध्यप्रदेश में क्रियान्वित करेंगे। मध्यप्रदेश में गेहूं का भंडार है। प्रदेश का गेहूं निर्यात हो उसके बारे में चर्चा हुई। मुझे खुशी है कि 2.40 लाख मीट्रिक टन गेहूं निर्यात के लिए जा चुका है। हमने एक्सपोर्ट सेल बनाया है जो निरंतर कार्य कर रहा है।

केंद्र की एडवाइजरी: टीवी चैनल सनसनीखेज कवरेज और भड़काऊ हेडलाइन से बचें

नयी दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन-रूस युद्ध और दिल्ली दंगों की टेलीविजन कवरेज पर आपत्ति जताते हुए केंद्र सरकार ने शनिवार को समाचार चैनलों को सख्त एडवाइजरी जारी किया है। सरकार ने उनसे संबंधित कानूनों द्वारा निर्धारित कार्यक्रम संहिता का पालन करने को कहा है। केंद्र सरकार ने इसके लिए यूक्रेन-रूस युद्ध पर रिपोर्टिंग करते समय समाचार एंकरों द्वारा हाइबरबोलिक (बढ़ा-चढ़ाकर) बयानों और निंदनीय सुर्खियों और टैगलाइनों के विशिष्ट उदाहरणों का हवाला दिया। टीवी चैनलों ने असत्यापित सीसीटीवी फुटेज को प्रसारित कर उत्तर पश्चिमी दिल्ली में घटनाओं की जांच प्रक्रिया को बाधित किया। एडवाइजरी में यह भी कहा कि उत्तर पश्चिमी दिल्ली की घटनाओं पर टेलीविजन चैनलों पर कुछ बहसों में असंसदीय, उत्तेजक और सामाजिक रूप से अस्वीकार्य भाषा का प्रयोग किया गया।

मप्र के गृह मंत्री ने दतिया में कैंसर परामर्श शिविर का किया शुभारंभ

डॉ. पैढ़ारकर ने कैंसर के मरीजों की सेवा का जो बीड़ा उठाया है वह सराहनीय है: डॉ. मिश्र

दतिया। मप्र के गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी कार्य विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश पैढ़ारकर की सेवायें आज शिविर के माध्यम से जिले के लोगों को मिल रही है। पीड़ित मानवता की सेवा का जो उनका भाव है वंदनीय है।

गृह मी डॉ. नरोत्तम मिश्र शनिवार को जिला चिकित्सालय दतिया के प्रांगण में कैंसर परामर्श शिविर को संबोधित कर रहे थे। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने शिविर को संबोधित करते हुए कह कि यह जिले के लिए सौभाग्य की बात है कि विश्व प्रसिद्ध वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश पैढ़ारकर अपनी टीम के साथ उपस्थित होकर अपनी सेवायें दे रहे है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में भगवान के बाद अगर किसी का स्थान है तो वह चिकित्सकों का है। डॉ. पैढ़ारकर जिस भाव से पीड़ित मानवता की सेवा कर रहे है वह वंदनीय है और कैंसर के दुखी रोगियों के उपचार का जो बीड़ा उठाया है वह सराहनीय है। उनके इस कार्य से चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य करने वाले चिकित्सक, नर्सेज, पैरामेडीकल स्टॉफ आदि को सीखने की आवश्यकता है। गृह मंत्री ने कहा कि डॉ. पैढ़ारकर का यह बडप्पन है कि उनके द्वारा फोन के माध्यम से दतिया में कैंसर रोगियों के परीक्षण एवं उपचार करने की पहल की। इस प्रकार का भाव अन्य चिकित्सकों में भी होना चाहिए। शिविर को वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश पैढ़ारकर ने संबोधित करते हुए कहा कि मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र के प्रयासों से पहली वार 2014 में जिला कैंसर केयर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। जिसके तहत् प्रत्येक जिले में कैंसर के रोगियों के ईलाज हेतु निःशुल्क

दवाओं की व्यवस्था की गई जो निरंतर जारी है । उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान मरीजों को जो परेशानी का सामना करना पड़ा अब नहीं करना पड़ेगा। अब प्रतिमाह आयोजित शिविर में उनकी टीम द्वारा सेवायें दी जायेगी। उन्होंने कैंसर के मरीजों से आग्रह करते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय में मिलने वाली सुविधा का लाभ अवश्य उठायें। दतिया में कीमो थैरपी की सुविधा पुनः शुरू की जायेगी।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश से प्रेरणा लेकर हिमाचल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात राज्यों ने भी प्रेरणा लेकर यह कार्यक्रम शुरू किया है। कार्यक्रम के शुरू में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरबी कुरेले ने स्वागत भाषण देते हुए शिविर के बारे में जानकारी प्रदाय की। शिविर में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र बुद्यौलिया, कलेक्टर श्री संजय कुमार, मेडीकल कॉलेज दतिया के डीन डॉ. दिनेश उदैनिया सहित अन्य चिकित्सक आदि उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ. पैढ़ाकर को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। शिविर का संचालन श्री नीरज जैन और आभार प्रदर्शन श्री सिविल सर्जन डॉ. केसी राठौर द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. आशाराम अहिरवार सर्वश्री विपिन गोस्वामी, योगेश सक्सैना, प्रशांत ढेंगुला, गिन्नी राजा, अतुल भूरे चौधरी, राहुल राजा, अजय जैन, अजय दुबे, गोविन्द ज्ञाननी, परशुराम अहिरवार, श्रीमती शंकुतला अहिरवार, बल्लू सिंधी, आकाश भार्गव आदि उपस्थित रहे।

भारत ने तोड़ा पाकिस्तान का रिकॉर्ड

बिहार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में एक साथ फहराए गए 77 हजार 700 तिरंगे

पटना, एजेंसी। बिहार ने अमित शाह की मौजूदगी में 77 हजार 700 तिरंगे फहराकर पाकिस्तान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव पर भोजपुर के जगदीशपुर में यह रिकॉर्ड बनाया गया। इससे पहले ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम था। इस कार्यक्रम में 5 मिनट तक झंडा फहराया गया।

अमित शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के जयघोष से की। उन्होंने जगदीशपुर की धरती को युगपुरुषों की धरती बताते हुए कहा, %हेलिकॉप्टर से मैंने देखा कि यहां से पांच-पांच किमी तक लोगों के हाथ में तिरंगा है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल से ज्यादा लोग रोड पर वंदे मातरम् और भारत माता की जय बोल रहे हैं।

वीर कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा, इतिहास ने बाबू कुंवर सिंह के साथ अन्याय किया। उनकी वीरता के अनुरूप उन्हें जगह नहीं दी गई। आज बिहार की जनता पलक पांवड़े बिछाकर उनका नाम एक बार फिर से अमर कर रही है। 58 साल से अनेक प्रकार की रैलियों में गया हूं, लेकिन आरा में राष्ट्रभक्ति का ये उफान देखकर निःशब्द हूं। ऐसा कार्यक्रम जीवन में कभी नहीं देखा।

1857 के सेनानियों की स्मृति में स्मारक बनाया जाएगा

इस दौरान उन्होंने कुंवर सिंह की स्मृति में जगदीशपुर में उनकी भव्य स्मारक बनाने का ऐलान किया। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री आरके सिंह की मांग पर सहमति देते हुए कहा कि 1857 के सेनानियों की स्मृति में स्मारक बनाया जाएगा। साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा, %पीएम मोदी 123 करोड़ लोगों का मुफ्त टीकाकरण नहीं करते तो न जाने कितने लोग कोरोना महामारी से मारे जाते। अमीर तो वैक्सीन लगवा लेते, लेकिन दलित, आदिवासी, शोषित कहां लगवाते। लेकिन मोदी जी ने दो टीका मुफ्त लगवाकर सुदर्शन का सुरक्षा चक्र बनवाने का काम किया है।

बीमार राज्य से विकसित राज्य की ओर बिहार

पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, उनके शासनकाल को याद कराना जरूरी है। बिहार में जंगलराज को भूल सकते हैं क्या। यही बिहार था जहां सरे राह हत्या होती थी। बिजली नहीं पानी नहीं। जाति के नाम पर भेदभाव। कोई योजना नहीं। नीतीश कुमार और सुशील मोदी ने बिहार को बीमारू राज्य से विकसित राज्य की ओर ले जाने का काम किया। विजयोत्सव में 2 लाख से ज्यादा लोगों के हिस्सा लेने का दावा किया गया है। इसे लेकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम जगदीशपुर पहुंची है। सूचना के मुताबिक, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लगभग 1600 अधिकारी और कर्मचारी इस पूरे कार्यक्रम में हैं जो इस रिकॉर्ड को दर्ज कर रहे हैं।

ड्रोन कैमरे से हो रही है रिकॉर्डिंग

इससे पहले एक साथ 57,500 राष्ट्रीय ध्वज फहराने का वर्ल्ड रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम दर्ज था। भोजपुर में कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग ड्रोन कैमरे से कराई जा रही है। इसके अलावा जिन-जिन लोगों के हाथ में राष्ट्रीय ध्वज है, उनका फिंगर प्रिंट भी लिया गया। जिससे नए रिकॉर्ड को पुख्ता किया जा सके। इससे पहले पटना एयरपोर्ट पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का सीएम नीतीश कुमार ने स्वागत किया। उनके साथ बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल भी मौजूद रहे।

एक दिन पहले खरीदा था इलेक्ट्रिक स्कूटर, बैटरी फटने से हुई मौत, तीन लोग झुलसे

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में आग लगने की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी फटने की एक और घटना सामने आई है। आंध्र प्रदेश में शनिवार तड़के एक घर में इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन अन्य लोग घायल हो गए। यह घटना शनिवार तड़के विजयवाड़ा में तब हुई, जब व्यक्ति ने बैटरी को बेडरूम में चार्ज के लिए रखा था। इस हादसे में शिव कुमार, उनकी पत्नी और उनके दो बच्चे बुरी तरह से झुलस गए। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी उन्हें बचाने के लिए दौड़े और उन्हें अस्पताल ले गए, जहां शिव कुमार ने दम तोड़ दिया, जबकि उनकी पत्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबकि व्यक्ति ने एक दिन पहले शुक्रवार को ही इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा था। हालांकि, अभी तक स्कूटर निर्माता के नाम और अन्य विवरण की जानकारी नहीं लग पाई है। तेलुगू राज्य में एक सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी घटना है। इसके पहले तेलंगाना के निजामाबाद जिले में एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में विस्फोट होने के कारण 19 अप्रैल को एक 80 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई थी।

तेज हुई कोरोना की रफ्तार, देश के प्रमुख राज्यों में केस बढ़े
आईआईटी मद्रास में अब तक 55 लोग कोविड पॉजिटिव

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना मामलों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। लगातार चौथे दिन कोरोना के 2,000 से अधिक मामलों की पुष्टि हुई है। बीते दिन देश में कुल 2,527 नए कोरोना केस मिले, जबकि 33 लोगों की मौत हुई है। पिछली बार कोविड केस कम होने के दौरान 17 मार्च को 2,528 केस मिले थे। देश में एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 15,079 है। पिछली बार 15 हजार से अधिक एक्टिव (15,378) केस 28 मार्च को दर्ज किए गए थे। केसेस में लगातार हो रही बढ़ोतरी से बहुत जल्द चौथी लहर की आशंका जताई जा रही है। इस बीच, तमिलनाडु के स्वास्थ्य सचिव जे राधाकृष्णन ने शनिवार को बताया कि आईआईटी मद्रास में अब तक कुल 55 लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। तमिलनाडु में शुक्रवार को 57 लोग पॉजिटिव पाए गए, जबकि गुरुवार को यह संख्या 39 थी। जे राधाकृष्णन ने गुरुवार को आईआईटी मद्रास कैंपस का दौरा भी किया था। राजधानी दिल्ली के साथ ही देश के प्रमुख राज्यों में कोरोना केसेज में बढ़ोत्तरी हुई है। दिल्ली में शुक्रवार को 1,042 केस दर्ज किए गए। इस दौरान पॉजिटिविटी रेट 4.64प्रतिशत रही। आखिरी बार 10 फरवरी को इतनी संख्या में कोरोना केस मिले थे। दिल्ली में शुक्रवार को एक आदेश जारी कर सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है।

42 दिन से जमे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने खदेड़ा:रास्ते में लेटे तो जवानों ने लाठियां चलाई, सैकड़ों संविदा बिजलीकर्मी गिरफ्तार

रायपुर। शनिवार की सुबह संविदा विद्युत कर्मियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। रायपुर के बूढ़ा पारा इलाके में प्रदर्शनकारी सड़क जाम कर के आंदोलन कर रहे थे। पुलिस के आला अफसरों ने काफी देर तक प्रदर्शनकारियों को समझाया। जब बात नहीं बनी तो पुलिस की टीम इन्हें खदेड़ने लगी।

संविदा विद्युत कर्मी अपनी जगह छोड़ने को राजी नहीं थे। बूढ़ापारा की सड़क पर ही यह विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। ऐसे में पुलिस ने इन पर लाठियां चलाईं। अलग-अलग ग्रुप में संविदा विद्युत कर्मी इधर-उधर भागने लगे उन्हें भी पकड़कर बस में बिठाया गया। 200 से

ज्यादा संविदा कर्मियों को अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और इन्हें सेंट्रल जेल ले जाया गया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले विद्युत संविदा विद्युत कर्मियों ने बूढ़ापारा की सड़क को जाम कर दिया था। वह सड़क पर ही रात बिताने लगे। सुबह तक जब सड़क खाली नहीं की गई तब पुलिस ने यह कार्रवाई की है । यह सभी विद्युत संविदा कर्मी प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए हैं यह नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। काम के दौरान हादसों में मारे गए 26 से अधिक विद्युत कर्मियों के परिवार को अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने की मांग कर रहे हैं। पिछले 42 दिनों से इनका धरना प्रदर्शन रायपुर में जारी था।

हनुमान चालीसा पढ़ने मातोश्री जाने का फैसला लिया वापस: नवनीत राणा ने कहा-

शिवसेना अब गुंडों की पार्टी, हमारा मकसद पूरा हुआ

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में हनुमान चालीसा और लाउडस्पीकर पर राजनीति बढ़ती जा रही है। अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा ने आज मातोश्री के बाहर हुनमान चालीसा पढ़ने का ऐलान किया था। इसके बाद नवनीत राणा की बिल्डिंग के नीचे भारी संख्या में शिवसैनिक सुबह से ही डटे हैं।

हालांकि, दिन भर के हंगामे के बाद बडनेर सीट से निर्दलीय विधायक रवि राणा ने एक बयान जारी कर कहा कि कल प्रधानमंत्री मोदी मुंबई आ रहे हैं और हम उनके कार्यक्रम में किसी तरह का विघ्न नहीं चाहते हैं, इसलिए मातोश्री जाकर हनुमान चालीसा पढ़ने के अपने फैसले को वापस लेते हैं।

अपने इस फैसले के बाद सांसद नवनीत राणा ने कहा कि हमारा उद्देश्य था कि संकट मोचन संकट हटाएं। उद्धव ठाकरे ने हमारे घर गुंडे भेजे हैं। शिवसेना तो खत्म हो गई है। असली शिवसैनिक तो बाला साहब के साथ चले गए हैं। अब गुंडों की शिवसेना रह गई है। हमारे मुख्यमंत्री का सिर्फ यही काम रह गया है कि किस पर क्या कार्रवाई करवानी है, किसे जेल भेजना है और किसे तड़ीपार करना है।

हमारा मकसद पूरा हुआ- नवनीत राणा : नवनीत राणा ने आगे कहा कि सीएम का ध्यान किसान सुसाइड पर नहीं रहता। बिजली समस्या पर नहीं बोलते। बेरोजगारी पर चुप रहते हैं। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से गुजारिश है कि हमारे महाराष्ट्र को बचाया जाए। यहां के हालात खराब हैं। दो साल तक सीएम मंत्रालय तक नहीं गए। हमारा मकसद पूरा हो गया है। अब मातोश्री के बाहर प्रदर्शन नहीं करेंगे।

दिनभर नवनीत राणा के घर हुआ हंगामा

इससे पहले दिन भर राणा दंपति के खार स्थित घर पर जमकर हंगामा हुआ। पुलिस और शिवसैनिकों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। शिवसैनिकों ने राणा के घर के बाहर लगे बैरियर तोड़ दिए और घर में घुसने की कोशिश की। शिवसैनिकों ने कहा कि हम अमरावती का कचरा साफ करने आए हैं। इस पूरे विवाद पर महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने कहा, मुंबई और महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी है। कुछ लोग विभिन्न घटनाओं के माध्यम से यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि कानून-व्यवस्था की स्थिति अच्छी नहीं है और यहां राष्ट्रपति शासन लगना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

कश्मीरी पंडितों का ऐसा भी दर्द:भोपाल में बोले- इतनी गर्मी में रहने की आदत नहीं थी, कई बुजुर्गों ने जान गंवाई

भोपाल। कश्मीरी पंडितों के पलायन के दर्द की कहानियां तो आपने कई सुनी होंगी। भूख-प्यास और अपनों के खोने का दर्द तो कभी भुलाया नहीं जा सकता। एक समय ऐसा आया जब कश्मीरी पंडित दिन में घर से नहीं निकलते थे, तो रातें बेचैनी भरी होती थीं। हम आपको बता रहे हैं, कश्मीरी पंडितों के अब तक छिपे रहे सबसे बड़े दर्द की दास्तां...। बर्फीले पहाड़ों से मैदान में पनाह लेने पहुंचे कश्मीरी पंडितों के लिए खाना, पानी और छत से बड़ी समस्या यहां के तापमान से तालमेल बैठाने की रही। करीब 10 डिग्री से भी कम तापमान में रहने वालों के लिए 40 डिग्री में रहना सबसे बड़ी चुनौती थी। पलायन के बाद भोपाल में पनाह लेने वाले बावड़िया कलां निवासी केके पंडित बताते हैं कि उस समय भोपाल की गर्मी उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी थी। ये बातें गृहमंत्री अमित शाह के रोड शो के दौरान उनका स्वागत करने पहुंचे केके पंडित ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत में कही।

जैसे-तैसे भागकर यहां पहुंचे थे:- केके पंडित जैसे करीब 150 से 200 कश्मीरी पंडित भोपाल में रह रहे हैं। वे 1989-90 में पलायन के बाद भोपाल आए थे। केके बताते हैं कि उस समय उनकी उम्र करीब 20-21 साल रही होगी। जब रातों-रात उन्हें अपने घर छोड़ने पड़े। कई किलोमीटर पैदल चले, तो किसी ने लिफ्ट दी। जैसे-तैसे भागते-भागते भोपाल पहुंचे। उस दौरान खाना, पानी और छत नहीं थी, लेकिन यहां की गर्मी उससे बड़ी समस्या लगने लगी।

गर्मी में कैसे रहा जाता है, पता नहीं था:- पंडित ने आगे कहा, जब यहां आए तो 43 डिग्री तापमान में कैसे रहा जाता है, यह पता ही नहीं था। पहली बार इतनी ज्यादा गर्मी महसूस की। हमें इस तरह के मौसम में ढलने में काफी समय लगा। हमारे कई बुजुर्ग गर्मी को सहन नहीं कर पाए और उनकी मौत तक हो गई। इससे तालमेल बैठाने में उन्हें करीब 4 से 5 साल लग गए। इस दौरान टेंट में रहे। गर्मी में हम जैसे लोगों के लिए रहना बेहद ही मुश्किल भरा होता था।

हमें हमारी प्रॉपर्टी वापस मिले:- कश्मीर में वापसी को लेकर पंडित ने कहा, हमारी जगह तो पहले से ही है। वहां सरकार को सकारात्मक पहल करना चाहिए। माहौल सरकार को बनाना है, ताकि वापसी संभव हो सके। ऐसा कोई कानून बनाएं, ताकि हमारी प्रॉपर्टी हमें मिल जाए। वहां रोजगार की व्यवस्था होना चाहिए।

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद बड़ा फैसला : सीएम शिवराज बोले-

20 लाख मीट्रिक टन गेहूं और होगा एक्सपोर्ट; केंद्र-राज्य मिलकर देंगे रोजगार

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दिल्ली पहुंचे। सीएम ने प्रदेश सरकार के कई मुद्दों पर बात की। सीएम ने कहा- मध्यप्रदेश में रोजगार दिवस का आयोजन करते हैं। हर महीने एक दिन रोजगार दिवस होता है। हमारा टारगेट होता है कि कम से कम दो लाख स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं। इसके लिए लोन दिया जाता है। केंद्र और राज्य दोनों मिलकर रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे। इस पर भी बात हुई है। सीएम ने कहा कि गेहूं के निर्यात को लेकर भी चर्चा हुई है। इस बार हम 20 लाख मीट्रिक टन गेहूं और निर्यात करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज ने बताया कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महाकाल मंदिर कॉरिडोर के उद्घाटन का न्योता दिया हैं। मैंने उन्हें बताया कि उज्जैन में महाकाल महाराज का परिसर बनकर तैयार है। ये अपने आप में अद्भुत है। इस परिसर में रूद्र सागर सरोवर, शिव स्तंभ, सप्त ऋषि स्थल, कमल-कुंड, नवग्रह वाटिका का उद्घाटन आपके हाथों करना चाहते हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने न्योता स्वीकार कर लिया है। वे परिसर को लोकार्पित करेंगे । सीएम ने आगे बताया कि कहा ; मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर मध्यप्रदेश में चल रहे विकास और जनकल्याण के कार्यों की जानकारी दी। प्रधानमंत्री जी मैन ऑफ आइडियाज हैं। उनसे कई तरह के सुझाव और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। उनको हम मध्यप्रदेश में क्रियान्वित करेंगे।

इंदौर में होगी इंवेस्टर्स समिट

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद चर्चा में कहा कि प्रवासी भारतीय दिवस 9 जनवरी को होता है। मैंने इसे मध्यप्रदेश में आयोजित करने का आग्रह प्रधानमंत्री से किया है। हम मध्यप्रदेश में इन्वेस्टर्स समिट 4,5,6 नवंबर को आयोजित करने वाले थे, लेकिन उसकी तिथि हम बदल रहे हैं। अब यह इन्वेस्टर्स समिट प्रवासी भारतीय दिवस के पहले इंदौर में 7 और 8 जनवरी को होगी।

मप्र में स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहन की जानकारी

- स्टार्ट-अप नीति को और समग्र, समेकित और प्रभावी बनाने के लिए एमपी स्टार्ट-अप नीति और कार्यान्वयन योजना-2022% तैयार की गई है।
- स्टार्ट-अप्स और इनक्यूबेटर्स को निवेश सहायता, आयोजन सहायता, उन्नयन सहायता और लीज रेन्टल सहायता आदि का प्रावधान।
- स्कूल/महाविद्यालयीन स्तर से छात्रों में नवाचार एवं स्टार्ट-अप की भावना जागृत करने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाने का प्रावधान भी नीति में है।
- प्रदेश में 1,900 से अधिक स्टार्टअप इंडिया से अधिमान्य स्टार्ट-अप अब तक स्थापित हो चुके हैं।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक जिले में कम से कम 75 अमृत सरोवर के निर्माण की बात कही गई है, जिससे एक-एक बूंद पानी का संचय किया जा सके।
- प्रदेश में 52 जिलों में 75 संरचना के हिसाब से कुल 3825 अमृत सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया था।
- प्रदेश में अब तक लगभग 2100 करोड़ रुपए की लागत के 5534 अमृत सरोवर स्वीकृत किए जा चुके हैं।

युवाओं के लिए जॉब का अच्छा मौका

भोपाल में 25 अप्रैल को लगेगा रोजगार मेला, 7 कंपनियां आएंगी 25 हजार रुपए तक सैलरी

भोपाल

बेरोजगार युवाओं के लिए जॉब का अच्छा मौका है। 25 अप्रैल को राजधानी भोपाल में रोजगार मेला लगेगा। इनमें कुल 7 कंपनियां आएंगी और जॉब के लिए युवाओं का चयन करेगी। सैलरी 8 से 25 हजार रुपए होगी। मेला ईदगाह हिल्स स्थित जिला रोजगार ऑफिस कैम्पस में लगेगा। सुबह 10.30 बजे से मेले की शुरुआत होगी, जो शाम तक चलेगा। जिला रोजगार अधिकारी केएस मालवीय ने बताया, जॉब फेयर में बेरोजगार ओरिजनल डॉक्युमेंट्स और बायोडाटा के साथ उपस्थित होंगे। कंपनियां अलग-अलग पोस्ट के हिसाब से भर्ती करेगी।

इन पोस्ट के लिए होगी भर्ती

जेएसई प्रोजेक्ट्स प्राालि के लिए 108/100 डायल हैवी वाहन चालक, इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन, नर्सिंग, टेली कॉलर, एचआर रिक्रूरूटर, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, मशीन ऑपरेटर, हेल्पर, ट्रेनिज वर्कर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, कस्टमर केयर, माइक्रो फाइनेंस एक्जीक्यूटिव, ऑफिस असिस्टेंट, रिसेप्सनिस्ट आदि।

ये होनी चाहिए योग्यता

इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन के लिए दो साल, नर्सिंग के दो साल का अनुभव जरूरी है। अन्य पदों के लिए भी अलग-अलग अनुभव होना जरूरी रहेगा।

इतनी होनी चाहिए उम्र

18 से 40 वर्ष तक के बेरोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। महिला और पुरुष दोनों ही आवेदक जॉब फेयर में शामिल हो सकते हैं।

इतनी सैलरी

8,000 से 25,000 रुपए तक

ये डाक्युमेंट्स लेकर पहुंचे

सुबह 10.30 बजे जॉब से जुड़े डॉक्युमेंट्स लेकर पहुंचे। बॉयोडाटा भी लेकर जाएं। कंपनी अपनी शर्तों पर भर्ती करेगी।

विश्व पृथ्वी दिवस पर एप्को द्वारा प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राधारमण विद्यार्थियों ने किया सीपेट का औद्योगिक भ्रमण

भोपाल

राधारमण समूह के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विषय के विद्यार्थियों ने विगत दिवस गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, भोपाल स्थित केन्द्र सरकार के प्रतिष्ठान सेन्ट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ पैट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को प्लास्टिक प्रसंस्करण व परीक्षण सहित कैड, कैम, सीएई व टूलरूम के तकनीकी पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। यह संस्थान छोटे, मध्यम और दीर्घ अवधि के पाठ्यक्रम चलाने के साथ साथ प्लास्टिक से निर्मित उत्पादों के परीक्षण व प्रमाणीकरण का कार्य करता है।

इस संबंध में राधारमण समूह के चेयरमेन आर आर सक्सेना ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण उनके समूह के विद्यार्थियों के अध्ययन का अनिवार्य एवं महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे औद्योगिक भ्रमणों व प्रशिक्षण कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को उद्योग जगत के व्यवहारिक पहलुओं को प्रत्यक्ष देखने व समझने का अवसर मिलता है। इसका फायदा उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद मिलने वाले प्लेसमेंट में मिलता है।

नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी से फायदा

सबूतों की जांच के लिए साइंटिफिक प्रोफेशनल तैयार होंगे, जांच में तेजी आएगी; एयरपोर्ट के पास खुलेगी

भोपाल

भोपाल दौरे पर आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भोपाल में नेशनल फॉरेंसिक साइंसेस यूनिवर्सिटी बनाने का ऐलान किया है। बताया जा रहा कि केंद्रीय गृह विभाग को यूनिवर्सिटी कैंपस के लिए एयरपोर्ट के पास गांधी नगर में जमीन मुहैया कराने की स्वीकृति दी गई है। जानिए, भोपाल में यूनिवर्सिटी खुलने से प्रदेश को क्या-क्या फायदे होंगे। मध्यप्रदेश के पूर्व डीजीपी दिनेश जुगरान बताते हैं कि भोपाल में नेशनल लेवल की फारेंसिक यूनिवर्सिटी खुलने से बड़े फायदे हैं। पहला- प्रदेश का बड़ा नाम होगा। लंबित प्रकरणों की संख्या में कमी आएगी। जिन जांचों के लिए हम अभी दूसरे राज्यों के विशेषज्ञों पर निर्भर हैं, उस तरह के प्रोफेशनल अब प्रदेश में तैयार होने लगेंगे। आम लोगों को आसानी व जल्दी न्याय मिलेगा। अभी रिपोर्ट लेट होने से आरोपी को अनावश्यक जेल में रहना पड़ता है। अब रिपोर्ट जल्दी आएंगी, जिससे कोर्ट जल्दी फैसला सुनाएंगी। यही नहीं, जांच रिपोर्ट की सत्यता पर सवाल नहीं उठेंगे। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां तक अब नेशनल स्तर के संस्थानों से ही जांच कराती हैं, जिन्हें एजेंसियां कोर्ट में सबूत के तौर रखती हैं। टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन के नए एक्सपर्ट तैयार होंगे।

साइंटिफिक प्रोफेशनल तैयार होंगे

पूर्व डीजीपी ने बताया कि मौजूदा दौर में अपराधी तकनीकी रूप से न केवल सक्षम हैं, बल्कि अपराधों की प्रकृति भी बदली है। साइबर अपराधों की जांच, आरोपियों की धरपकड़ आसान नहीं है। ऐसे में तकनीकी रूप से दक्ष एक्सपर्ट्स की जरूरत है। वर्तमान में पुलिस को दूसरे राज्यों से एक्सपर्ट हायर करने पड़ते हैं, यानि मदद लने पड़ती है। मौजूदा स्टाफ को प्रशिक्षण तक दूसरे राज्यों के एक्सपर्ट पर निर्भर रहना पड़ता है। यूनिवर्सिटी खुलने से प्रदेश में ही साइंटिफिक प्रोफेशनल तैयार होंगे, जिन्हें सरकार जरूरत के अनुसार पदस्थ करेगी।

ये कोर्स होंगे शुरू:- यूनिवर्सिटी में अंडरग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, डिप्लोमा कोर्स शुरू होंगे। इनमें प्रमुख तौर पर फॉरेंसिक साइंस, मेडिको लीगल, विहैवियरल साइंस, साइबर सिक्योरिटी एंड डिजिटल फॉरेंसिक, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पुलिस साइंस एंड सिक्योरिटी, फॉर्मेसी, मैनेजमेंट, लॉ-फारेंसिक जस्टिस एंड पॉलिसी स्टडीज, फॉरेंसिक साइकोलॉजी। प्रत्येक कोर्स में 40-40 सीटें रखी जा सकती हैं।

पृथ्वी दिवस पर राधारमण कॉलेज में हुआ वृक्षारोपण

भोपाल- पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर राधारमण इंजीनियरिंग कॉलेज भोपाल ने परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर कॉलेज के विद्यार्थियों ने नीम और गुलाब के पौधे लगाने की पहल की। छात्रों और फैकल्टी मेंबर्स ने प्रकृति को संरक्षित करने और पृथ्वी पर शुद्ध शून्य प्रभाव पर ध्यान देने के साथ कार्बन क्रेडिट अर्जित करने के लिए लगातार काम करने की शपथ भी ली। छात्रों ने इन पौधों की देखभाल करने का भी संकल्प लिया. उल्लेखनीय है कि हर साल 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता है।

समूह के चेयरमैन आर आर सक्सेना इन गतिविधियों में विशेष रुचि ली और उपस्थित सभी छात्रों और संकाय सदस्यों को ऐसी गतिविधियों में दिलचस्पी लेने के लिए प्रोत्साहित किया। समूह के वरिष्ठ निदेशक, डॉ. पी.के. लाहिड़ी ने छात्रों को इस प्रकार की ग्रामीण आउटरीच गतिविधियां द्वारा पृथ्वी को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री ने पंडित माधव राव सप्रे की पुण्य-तिथि पर किया नमन

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रसिद्ध साहित्यकार और पत्रकार पंडित माधव राव सप्रे की पुण्य-तिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की । पं. माधवराव सप्रे हिन्दी के साहित्यकार और पत्रकार थे। वे हिन्दी के प्रथम कहानी लेखक के रूप में जाने जाते हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी उनकी अग्रणी भूमिका थी।पंडित सप्रे प्रखर संपादक के रूप में लोक प्रहरी और सुधी साहित्यकार के रूप में लोक शिक्षक की भूमिका में रहे। कोशकार और अनुवादक के रूप में उन्होंने हिंदी भाषा को समृद्ध किया। वर्ष 1902 में उन्होंने काशी नागरी प्रचारिणी सभा की %विज्ञान शब्दकोश% योजना को मूर्तरूप देने की जिम्मेदारी अपने हाथों में ली। साथ ही अर्थशास्त्र की शब्दावली को भी संरक्षित और समृद्ध किया। पं. माधवराव सप्रे का जन्म 19 जून 1871 को दमोह ज़िले के पथरिया में हुआ था। उनका अवसान 23 अप्रैल 1926 को हुआ। पंडित माधव राव सप्रे की स्मृति में भोपाल में समाचार-पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान स्थापित है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

अधिकांश मांगें पूर्ण, शेष मांगों को पूरा करने के आश्वासन पर 72 दिन बाद अधिवक्ता संघ का आंदोलन स्थगित

रायगढ़। अधिवक्ता संघ रायगढ़ का आंदोलन एवं राजस्व न्यायालयों का बहिष्कार आखिरकार 72 दिन बाद स्थगित कर दिया गया। आंदोलन के स्थगन के लिए लगातार शासन एवं जिला प्रशासन की ओर से अधिवक्ता संघ एवं संघर्ष समिति के साथ सौहार्दपूर्ण चर्चा चल रही थी। अधिकांश मांगों को पूरा कर दिए जाने एवं कुछ लंबित मांगों को शीघ्र ही पूरा किए जाने के आश्वासन पर अधिवक्ता संघ की ओर से चलाए जा रहे आंदोलन को सशर्त स्थगित कर दिया गया, और यह कहा गया कि लंबित मांग पूरा नहीं होने की दशा में अधिवक्ता संघ पुनः इससे भी ज्यादा उग्र आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगा।

प्रदेशभर के अधिवक्ताओं का रायगढ़ अधिवक्ता संघ ने जताया आभार

रायगढ़ अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रमेश शर्मा ने बताया कि रायगढ़ के तहसील कार्यालय में 11 फरवरी को हुई घटना के बाद कुछ अधिवक्ताओं पर झूठा एफ आई आर कर दिया गया था। इसके विरोध में न केवल रायगढ़ अधिवक्ता संघ बल्कि पूरे प्रदेश के अधिवक्ता संघ एकजुट हो गए थे। राज्य अधिवक्ता संघ एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया का भी समर्थन प्राप्त हुआ था। 11 फरवरी से लगातार यह आंदोलन रायगढ़ से शुरू होकर प्रदेश व्यापी आंदोलन का रूप ले लिया था। सभी जिला एवं तहसील मुख्यालयों में राजस्व न्यायालयों का बहिष्कार करते हुए न केवल धरना प्रदर्शन बल्कि विरोध स्वरूप रैलियां भी निकाली गई। गलत द्व.द्व.द्व. एवं राजस्व न्यायालयों में कर्मचारी संघ की ओर से दफ्तर बंद कर दिया जाने को अनुचित ठहराते हुए अधिवक्ता संघों की ओर से माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में रिट भी फाइल की गई। इस आंदोलन के क्रम में जहां जगह जगह भ्रष्टाचार के पुतले जलाए गए वहीं हाई कोर्ट कैंपस में भी भ्रष्टाचार का पुतला दहन किया गया जो हाई कोर्ट के इतिहास की पहली घटना बनी।राजधानी रायपुर में भी प्रदेश भर के अधिवक्ताओं ने अपना दम दिखाते हुए वहां भी भ्रष्टाचार के विरुद्ध रैली निकाली गई और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। वहां से लौटकर रायगढ़ अधिवक्ता संघ ने भूख हड़ताल शुरू किया जो 18 दिन तक चला । 23 अप्रैल को रायगढ़ विधायक प्रकाश नायक एवं जिला प्रशासन की ओर से एडिशनल कलेक्टर ए आर कुरुवंशी जिला न्यायालय रायगढ़ के सामने चल रहे भूख हड़ताल स्थल पर पहुंचकर वहां हड़ताल पर बैठे अधिवक्ताओं को जूस पिलाकर हड़ताल समाप्त कराया गया। इस प्रकार प्रदेश में अधिवक्ताओं का सबसे लंबा चलने वाला यह आंदोलन कुछ समय के लिए सशर्त स्थगित कर दिया गया है, यदि लंबित मांगें शीघ्र ही पूरी नहीं होती हैं तो यह आंदोलन एक बार फिर दुगुनी ऊर्जा के साथ शुरू हो जाएगा।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष सीताराम जाटवर ने कहा यह अधिवक्ताओं की जीत है

संघर्ष समिति के अध्यक्ष सीताराम जाटवर ने इस आंदोलन को सभी अधिवक्ताओं की जीत बताया है और सभी अधिवक्ताओं का आभार जताया है। अधिवक्ताओं के पूरे आंदोलन को संचालित करने के लिहाज से शुरुआत में सीनियर एडवोकेट एवं रायगढ़ अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष विष्णु सेवक गुप्ता को आंदोलन समिति का अध्यक्ष बनाया गया था लेकिन बाद में संघर्ष समिति की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने के बाद संघर्ष समिति को आम सभा के माध्यम से भंग कर दिया गया था और दूसरी संघर्ष समिति गठित की गई जिसके अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट एवं रायगढ़ अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष सीताराम जाटवर को बनाया गया। इनके नेतृत्व में जब आंदोलन की रूपरेखा तय की गई तो रायपुर में अधिवक्ता संघ की महारैली निकाली गई । इसके बाद रायगढ़ में क्रमिक भूख हड़ताल शुरू किया गया । अधिवक्ताओं के इस नए रूप को देखकर सरकार और जिला प्रशासन की ओर से आंदोलन को समाप्त करने की दिशा में अधिवक्ता संघ की अधिकांश मांगों को पूरा कर दिया गया और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने सहित कुछ अन्य मांगों को पूरा करने के लिए कागजी कार्रवाई शुरू करते हुए इन मांगों को शीघ्र ही पूरा करने का आश्वासन दिया गया, जिसके बाद इस आंदोलन का सुखद स्थगन कर दिया गया।

पेश किया जाएगा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट का बिल

विधायक प्रकाश नायक ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के स्तर पर यह बात तय की जा चुकी है कि मानसून सत्र में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट का बिल रखा जाएगा और इसे मंजूर करते हुए प्रदेशभर के अधिवक्ताओं को सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी क्योंकि यह मांग मंत्रिमंडल में बिल मंजूरी के बाद ही पूरा हो सकता है। इस लिहाज से अधिवक्ता संघ की ओर से शासन और प्रशासन की ओर से आए हुए आंदोलन को स्थगित करने के प्रस्ताव पर विचार करते हुए आंदोलन को स्थगित कर दिया गया।

तहसीलदार नायब तहसीलदार सहित थोक में कर्मचारियों का तबादला : रायगढ़ अधिवक्ता संघ की ओर से अपनी प्रमुख मांगों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित कई कर्मचारियों का स्थानांतरण करने की बात कही गई थी जो पूर्व में शासन स्तर पर पूरी कर दी गई और पूर्व एवं वर्तमान में कलेक्टर भीम सिंह की ओर से अधिकांश कर्मचारियों का तबादला करते हुए शेष बचे कर्मचारियों का तबादला शीघ्र ही करने का आश्वासन दिया गया है।

अधिवक्ताओं पर किए गए एफआईआर की वापसी प्रक्रिया शुरू : तहसील कार्यालय में कथित घटना के बाद 5 अधिवक्ताओं पर झूठा एफआईआर कर दिया गया था जिसके वापसी की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। शासन स्तर पर बातचीत होने के बाद विधायक प्रकाश नायक ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखकर जनहित में इस मामले को वापस लेने के लिए कहा है। अधिवक्ता संघ को यह आश्वासन दिया गया है कि अधिवक्ताओं पर दर्ज किया गया यह मामला हर हाल में वापस लिया जाएगा, जिसके बाद आंदोलन को स्थगित करने पर सहमति बनी है।

रिस्टोर होंगे सभी खारिज किए गए मुकदमें : 72 दिन तक चलने वाले अधिवक्ता संघ के इस महा आंदोलन के दौरान राजस्व न्यायालयों का बहिष्कार कर दिया गया था ।पूरे प्रदेश भर में चले इस आंदोलन में यह भी देखा गया कि कुछ तहसील कार्यालयों में अधिवक्ताओं की अनुपस्थित पर उनके पक्षकारों के मुकदमे खारिज कर दिए गए । इस पर कलेक्टर रायगढ़ ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश जारी किया है कि ऐसे सभी मामलों को फिर से रिस्टोर करते हुए उन्हें चलाया जाए।

भ्रष्टाचार से निपटने बनाई गई है समिति

कलेक्टर भीम सिंह की ओर से इस आंदोलन के बाद एक समिति गठित की गई है जो भ्रष्टाचार की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उसकी जांच करेगी और भ्रष्टाचार के आरोप प्रमाणित होने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की अनुशंसा करेगी। साथ ही कलेक्टर भीम सिंह ने यह निर्देश भी जारी किया है कि राजस्व न्यायालय में लंबित मामलों का निपटारा तेजी से किया जाए और कार्यप्रणाली में पूरी पारदर्शिता बरती जाए।

एक बार फिर गुलजार होंगे राजस्व न्यायालय

अधिवक्ता संघ की ओर से आंदोलन को स्थगित करने घोषणा के बाद इसका असर अब सोमवार से राजस्व न्यायालयों पर देखने को मिलेगा। 2 महीने से भी ऊपर चलने वाले इस आंदोलन के कारण राजस्व न्यायालयों के प्रकरण आगे नहीं बढ़ पा रहे थे जिस कारण लोगों को परेशानी हो रही थी। सोमवार से अधिवक्तागण राजस्व न्यायालयों में पैरवी करने के लिए पहुंचेंगे और अब राजस्व न्यायालयों में पक्षकारों और अधिवक्ताओं की भरपूर मौजूदगी देखी जाएगी।

किराना दुकान के अंदर घुसकर कैश की चोरी, खाने-पीने का सामान भी ले उड़े

कोरबा। जिले से चोरी का वीडियो सामने आया है। जिसमें 2 चोर एक किराना दुकान के अंदर से चोरी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बताया गया है कि दोनों दुकान के शटर में लगा ताला तोड़कर अंदर घुसे थे। इसके बाद अंदर रखा कैश और खाने पीने का सामान ले उड़े हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के मोतीसागर पारा का है।

मोतीसागर पारा में कैलाश कुमार गोयल किराना दुकान संचालित करते हैं। रोज की तरह उन्होंने शुक्रवार को अपनी दुकान खोली थी। जिसके बाद रात को करीब 10 बजे वह दुकान बंद करके दुकान के पीछे स्थित अपने घर चले गए थे। इस मामले का पता तब चल सका है, जब वह सुबह वापस दुकान खोलने के लिए दुकान गए थे। उन्होंने बताया कि वह जैसे ही दुकान पहुंचे, शटर में लगा ताला टूटा हुआ था। इस पर ही उन्हें शक हुआ था। इसके बाद वह अंदर गए तो उन्होंने देखा कि गल्ले में रखा कैश गायब है। वहीं पूरे दुकान में सामान बिखरा था। साथ ही दुकान में रखा कुछ खाने-पीने का सामान भी गायब था। जांच करने पर पता चला कि गल्ले से 10 हजार कैश, दान पत्र में रखा 11 हजार समेत करीब 30 हजार का माल चोर ले गए हैं।

पहले भी घुस चुके हैं चोर

यह पता लगने के बाद उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की थी। जांच में ही उन्हें सीसीटीवी कैमरे 2 चोर दिखे हैं। जो दुकान के अंदर चोरी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले भी इस दुकान में चोर सीसीटीवी कैमरे का वायर काटकर चोरी कर चुके हैं। अब एक बार फिर से चोरों ने इसी दुकान को निशाना बनाया है। फिलहाल दुकान संचालक ने पुलिस से पूरे मामले की शिकायत की है।

खुलासा: प्रेमिका के भाई ने रची हत्या की साजिश

कवर्धा। जिले के स्थानीय भोजली तालाब में एक युवक का अधजला शव मिला था. मामले की जांच में जुटी पुलिस ने चंद घंटों में ही मामले का खुलासा कर दिया है. पुलिस ने मृतक के प्रेमिका के भाई और उसके दोस्त को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से हत्या में इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार को पुलिस ने जब्त कर लिया है. वहीं आरोपी के पास से मृतक की बाइक और सोने की अंगूठी भी बरामद की गई है. बता दें कि, अधजली लाश मामले का पुलिस ने चंद घंटों में ही खुलासा कर दिया है. मामले की जांच में जुटी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के लिए टीम का गठन कर जांच शुरु की. जांच के दौरान पुलिस को मृतक के अवैध संबंध होने की जानकारी मिली. साथ ही आसपास क्षेत्र के व्यक्तियों से पूछताछ करने पर पता चला कि बीती रात एक अन्य व्यक्ति के साथ जाते देखा गया था. टीम के द्वारा उस अज्ञात व्यक्ति की पहचान अपचारी बालक के रूप में की गई.जिसके बाद घेराबंदी कर पकड़ा गया. फिर उसने पूछताछ में बताया कि उसकी बहन के साथ मृतक का अवैध संबंध था।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजपूत ने किया ग्राम रोहरा कला, पेंड्री और धरदेई के गौठान का निरीक्षण

रजीत कुमार

मुंगेली। कलेक्टर अजीत वंसत के मार्गदर्शन में शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरूवा, घुरवा और बाड़ी एवं गोधन न्याय योजना के क्रियान्वयन की जमीनी स्तर पर हकीकत जानने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डी. एस. राजपूत द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों में स्थापित गौठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में राजपूत ने आज पथरिया विकासखण्ड के ग्राम रोहरा कला, पेंड्री और धरदेई में स्थापित गौठान का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम रोहरा कला के गौठान में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, मवेशियों के लिए पेयजल, छाया, एसएचजी शेड आदि का अवलोकन किया। उन्होंने गौठान में पौधा रोपण, बाड़ी विकास के तहत सब्जी उत्पादन और गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी, मुर्गी पालन, बकरी पालन सहित अन्य कार्यो के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्व सहायता समूह की महिलाओं से भी चर्चा की और गौठान में अधिक से अधिक महिलाओं को आजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए गौठानों को आजीविका केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिससे जुड़कर समूह की महिलाएं अधिक से अधिक आय अर्जित कर सकते हैं। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

चला बुल्डोजर, हटाए गए 20 से ज्यादा अवैध कब्जे

धमतरी। जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की. जिसके बाद जिले के अंबेडकर चौक से लेकर कलेक्ट्रेट मोड़ तक अवैध कब्जे को हटाया गया. इस दौरान अतिक्रमण करने वालों से 11 हजार 500 रुपए की वसूली भी की गई.

नोटिस के बाद कार्रवाई जिला प्रशासन की माने तो सड़क किनारे अतिक्रमण करने से लोगों को आवाजाही की दिक्कतें हो रही थी. कई बार दुकानदारों को नोटिस देने के बाद भी दुकानदारों में सड़क में दुकान लगानी जारी रखी. जिसके बाद प्रशासन ने नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ दस्ते के साथ मिलकर सड़क को कब्जाधारियों से मुक्त किया. 20 दुकानों को हटाया गया कलेक्ट्रेट चौक तक 20 दुकानों को हटाया गया. इसके बाद सिहावा चौक में 4 व्यापारियों के अतिक्रमण को हटाया गया. साथ ही 18 व्यापारियों से 11500 रुपए जुर्माने की वसूली की गई.

बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 5 सदस्य गिरफ्तार

बिलासपुर। सीपत पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी करने वाला एक आरोपित समेत चार खरीदार को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 11 मोटर साइकिल जब्त की गई है। सभी आरोपितों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। ग्राम नारगोड़ा निवासी उमेंद्र कुमार सांडे ने अपनी मोटरसाइकिल को एक लड़का के द्वारा चलाते दिखने पर थाना सीपत को सूचना दी। जिस पर आरोपित के संबंध में पता तलाश किया गया। डीलक्स लाल काला रंग का मोटरसाइकिल को गुड़ी निवासी सत्यनारायण सूर्यवंशी पिता विश्वनाथ सूर्यवंशी 28 वर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 की दूसरे तीसरे एवं चौथे महीने में एनटीपीसी से विभिन्न स्थान पर पार्किंग की हुई मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स, हौंडा शाइन, बजाज प्लैटिना, हीरो होंडा सीडी डीलक्स अन्य स्थान चैनल मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर बजाज डिस्कवर, टीवीएस स्टार सिटी, बजाज पल्सर एलएस होंडा साइन एसपी होंडा शाइन चोरी करने की बात कही। चार मोटरसाइकिल को नंबर प्लेट बदलकर बिक्री करना एवं फर्जी नंबर मोटरसाइकिल ओके नंबर प्लेट पर लगाया गया। गुड़ी निवासी राजकुमार ,चंद्रप्रकाश, मिलाप राम ,परदेसी के बेचना बताया। पल8कि ने खरीदारों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे 11 मोटर साइकिल जब्त की गई है।

कार्रवाई में ये शामिल हुए

इस कार्रवाई में प्रशिक्षु आइपीएस विकास कुमार, निरीक्षक राजकुमार सोरी, उप निरीक्षक आरएन राठिया, सउनि रमेश साहू, प्रधान आरक्षक विजय शर्मा ,आरक्षक इमरान खान, आरक्षक धर्मेंद्र सूर्यवंशी, आरक्षक शरद साहू ,धीरज कश्यप , ज्ञानेश्वर यादव ,दीपक साहू, योगेश पाण्डेय की विशेष भूमिका रही ।

छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग को मिला सीएसआई-एसआईजी का ई-गवर्नेंस अवार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग का सीएसआई-एसआईजी (कम्प्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया स्पेशल इंट्रेस्ट ग्रुप) के ई-गवर्नेंस अवार्ड 2021 से सम्मानित किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य को यह अवार्ड स्कूली बच्चों के आंकलन एवं अभ्यास कार्य को आसान बनाने के लिए लागू टेली-प्रेक्टीज के लिए रिकग्निशन केटेगरी में प्रदाय किया गया है। प्रयागराज स्थित मोती लाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आज आयोजित 19वां सीएसआई-एसआईजी ई-गवर्नेंस अवार्ड को छत्तीसगढ़ की ओर से शिक्षा विभाग के डॉ. एम. सुधीश एवं एनआईसी की ओर से वरिष्ठ तकनीकी संचालक श्री सोम शेखर एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रीमती ललिता वर्मा ने प्राप्त किया। गौरतलब है कि शिक्षा विभाग में आंकलन एवं अभ्यास को आसान बनाने के लिए टेली-प्रेक्टीज कार्यक्रम प्रमुख सचिव डॉ. अलोक शुक्ला एवं सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह के मार्गदर्शन संचालित किया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों के आकलन एवं अभ्यास कार्य को आसान बनाने एवं आकलन की प्रक्रियाओं में आमतौर पर होने वाली विसंगतियों को दूर करने राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एनआईसी) के सहयोग से टेली-प्रेक्टीज नामक कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। इसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को टेलीग्राम में एक समूह बनाकर कार्य करना होता है। बच्चों के समक्ष प्रश्न आते-जाते हैं जिनका बिना समय गंवाए बच्चों को जवाब देना होता है। प्रत्येक बच्चे ई-जवाब का अपने आप अलग-अलग वीडियो बन जाता है। इन वीडियो को बाद में शिक्षक देखकर बच्चों का आकलन कर सकते हैं। इसी प्रकार बच्चे अपने उत्तर वाले वीडियो देखकर अगली बार अपनी त्रुटियों को सुधार कर सही उत्तर चनुकर अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। टेली-प्रेक्टीज कार्यक्रम पूर्णतः छत्तीसगढ़ में एनआईसी छत्तीसगढ़ के सहयोग से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उपयोग में लाया जा रहा है। इसमें उपयोग में लाए जाने वाले प्रश्न भी यहाँ के शिक्षक ही तैयार करते हैं। विभिन्न संस्थाओं ने राज्य में प्रचलित टेली-प्रेक्टीज को देखा है और उन्हें बच्चों के अभ्यास एवं शिक्षकों के आंकलन संबंधी कार्यों को आसान करने हेतु उपयोगी पाया है। इसे एनआईसी से उनके वरिष्ट तकनीकी संचालन सोमशेखर के नेतृत्व में तैयार किया गया है। राज्य में इसकी पायलटिंग समग्र शिक्षा से डॉ. एम. सुधीश के निर्देशन में की गयी है।

एनआईसी छग के डीआईओ के लिए तकनीकी विकास कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रायपुर। एनआईसी छत्तीसगढ़ के डीआईओ के लिए दो दिवसीय तकनीकी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन 21 और 22 अप्रैल 2022 को हुआ। मुख्य अतिथि डॉ के.पी.सिंह, सचिव, छत्तीसगढ़ शासन ने मां सरस्वती की वंदना व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस अवसर पर श्री संजय कपूर (उप महानिदेशक और राज्य समन्वयक, एनआईसी नई दिल्ली), डॉ अशोक कुमार होता (राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी), श्री टी.एन. सिंह (अतिरिक्त एसआईओ (राज्य), श्री ए.के.सोमशेखर (अतिरिक्त एसआईओ (जिला)) और श्री पी रामाराव (अतिरिक्त एसआईओ (जिला)) उपस्थित थे। कार्यक्रम में मासिक कार्य रिपोर्ट (एमडब्ल्यूआर) का विमोचन भी किया। इस अवसर पर डॉ. बी.के.मूर्ति, सीईओ, इनोवेशन सेल, आईआईटी भिलाई ने डिजिटल गवर्नेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व को समझाते हुए तकनीकी सत्र की शुरुआत की, इसके बाद डॉ. गगन राज गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी भिलाई द्वारा डेटा एनालिटिक्स फॉर सिटीजन फ्रेंडली गवर्नेंस की जानकारी दी। तकनीकी सत्र मे डॉ. सुमीत गुप्ता, प्रोफेसर, आईटी और सिस्टम, आईआईएम-रायपुर ने सरकारी प्रणाली के लिए ब्लॉकचैन स्ट्रैटेजी के निर्माण की आवश्यकता के संबंध में बताया। कार्यक्रम में जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों ने उभरती हुई प्रौद्योगिकी के उपयोगिता पर विचार व्यक्त किए। श्री ए.के. सोमशेखर द्वारा निकलर और टेलीप्रैक्टिस पर प्रेजेंटेशन दिया एवं निकलर आधारित सॉफ्टवेयर इंजीनियरिग और उभरती प्रौद्योगिकियों पर क्विज आयोजित किया । 22 अप्रैल को डॉ ए के होता, डीडीजी और एसआईओ, एनआईसी छत्तीसगढ़ द्वारा प्रभावी संचार पर और सुश्री ललिता वर्मा द्वारा सॉफ्टवेयर प्रबंधन गुणवत्ता पर विचार व्यक्त किए गए। उक्त 2 दिवसीय कार्यक्रम मानसिक स्वास्थ्य निदेशालय, छत्तीसगढ़ द्वारा तनाव प्रबंधन (गतिविधि आधारित) सत्र के गतिविधिओं के साथ सम्पन हुआ।

संपादकीय

मास्क की वापसी

भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों ने फिर कुछ पाबंदियों की वापसी करा दी है। जब लोग पाबंदियों से निकलकर सामान्य जीवन जीने लगे हैं, तब संक्रमण ने फिर अपना आतंक प्रदर्शित कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में मास्क की न केवल वापसी हो गई है, बल्कि मास्क न पहनने वालों को 500 रुपये जुर्माना भी देना पड़ेगा। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की बैठक में बुधवार को यह कड़ा फैसला लेते हुए मास्क को अनिवार्य कर दिया गया है। एक चर्चा तो स्कूलों को लेकर भी थी कि क्या संक्रमण पर अंकुश के लिए स्कूलों को फिर से ऑनलाइन कर दिया जाए। बमुश्किल घरों से निकले बच्चों से ज्यादा उनके अभिभावकों को चिंता हो रही है, क्योंकि किसी-किसी दिन बच्चों में संक्रमण ज्यादा दिख रहा है। पिछले सप्ताह कुछ स्कूलों को बंद भी करना पड़ा था। बहरहाल, फैसला हुआ है कि स्कूल अभी खुले रहेंगे। स्कूलों को खोले रखना जरूरी ही नहीं, मजबूरी भी है। पढ़ाई का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई आसान नहीं है। इसके अलावा, स्कूलों का प्रबंधन भी प्रभावित हुआ है, वर्तमान स्कूली ढांचे के तहत स्कूलों के लिए ऑफलाइन होना गंभीर अनिवार्यता है।

दिल्ली में आगामी दिनों में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। डॉक्टर हालात पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। बैठक में यह भी चर्चा हुई है कि अभी कोरोना के मामले ऐसे नहीं हैं कि अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़े। जो बच्चे संक्रमित हुए हैं, उनमें से ज्यादातर का इलाज घर में ही चल रहा है। अत-स्कूल और आपदा प्रबंधन से जुड़े लोग अभी संक्रमण की रफ्तार जांचने के पक्ष में हैं। अगले 15 दिन अस्पतालों में मरीजों के भर्ती होने के अनुपात को समझा जाएगा। आरटी-पीसीआर टेस्ट में संक्रमित पाए जाने वाले सभी सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग कराने का भी फैसला किया गया है। जांच भी बढ़ाई जाएगी, पर इसके लिए लोगों को स्वयं आगे आना होगा। चिकित्सा महकमे को देखना होगा कि जांच की सुविधाओं में कमी नहीं आनी चाहिए। कई बार लोग जांच की परेशानी से बचते हुए ही उपचार को तरजीह देते हैं। जबकि जांच और उसके परिणाम संक्रमण की प्रवृत्ति पर नजर रखने के लिए जरूरी हैं। सरकार ने फैसला लिया है कि लक्षण वाले सभी लोगों की जांच कराई जाएगी, तो इसके लिए जगह-जगह सरकारी अस्पतालों में इंतजाम भी पूरे रखने होंगे।

दूसरी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों पर भी नजर रखने का फैसला उपयोगी है, क्योंकि कोरोना से गुजर चुके लोग बड़ी संख्या में तरह-तरह की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। फिर दिल्ली की बात करें, तो मंगलवार को कोरोना संक्रमण के 632 नए मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर अभी भी चिंता की वजह है। 11 से 18 अप्रैल के बीच दिल्ली में दैनिक मामलों में लगभग तीन गुना वृद्धि देखी गई है, इसलिए दिल्ली को देश में कोरोना के नए केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। अत- कड़ाई समय की मांग है, ताकि लॉकडाउन के बाद पूरी रफ्तार पकड़ चुके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थिति हाथ से नहीं निकले। डॉक्टरों का पहले से मानना रहा है कि कमजोर स्वास्थ्य के लोगों को हमेशा मास्क पहनना चाहिए। बेशक, स्कूल खुले रहेंगे, लेकिन स्कूलों को पूरी सावधानी और चौकसी का परिचय देना होगा। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मिजोरम की सरकारों को केंद्र की ओर से सचेत भी किया गया है। मतलब, कोरोना से लड़ाई को अभी कतई खत्म नहीं मानना चाहिए।

बिजली का गहराता संकट

(योगेश कुमार गोयल)

इस वक्त करीब तीस बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार गंभीर श्रेणी में है, जहां सात दिन से भी कम का कोयला बचा है। माना जा रहा है कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो यह बेहद गंभीर यानी तीन दिन से भी कम की श्रेणी में आ जाएगा। संघीय दिशा-निर्देशों के अनुसार बिजली संयंत्रों में कम से कम चौबीस दिनों का कोयला होना चाहिए।भीषण गर्मी के बीच बिजली की बढ़ती मांग के कारण देश के कई राज्यों में बिजली की कमी का संकट गहराने लगा है। मांग बढ़ने के साथ ही तापबिजली घरों में कोयले की खपत तेजी से बढ़ी है और इसी कारण कुछ राज्यों के बिजली कारखानों में कोयले का भंडार घट रहा है। दरअसल, गर्मी के कारण बिजली कंपनियों में बिजली की मांग दस फीसद तक बढ़ गई है। जैसे-जैसे गर्मी और बढ़ेगी, बिजली की मांग भी उसी तेजी से बढ़ती जाएगी।

औद्योगिक गतिविधियों में तेजी की वजह से उद्योगों में भी बिजली की खपत बढ़ रही है। लेकिन मांग के अनुरूप बिजलीघरों को कोयला मिल नहीं पा रहा है। बिजली की कमी के कारण आंध्र प्रदेश में तो स्टील उत्पादन करने वाली एक कंपनी ने अपना उत्पादन पचास फीसद घटा दिया है। इस वक्त करीब तीस बिजली संयंत्रों में तो कोयले का भंडार गंभीर श्रेणी में है, जहां सात दिन से भी कम का कोयला बचा है। माना जा रहा है कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो यह बेहद गंभीर यानी तीन दिन से भी कम की श्रेणी में आ जाएगा। संघीय दिशा-निर्देशों के अनुसार बिजली संयंत्रों में कम से कम चौबीस दिनों का कोयला होना चाहिए।

देश के प्रमुख औद्योगिक गढ़ महाराष्ट्र में तो कई वर्षों बाद इतना बड़ा बिजली संकट पैदा हुआ है, जहां मांग के मुकाबले ढाई हजार मेगावाट बिजली कम मिल रही है। आंकड़े देखें तो महाराष्ट्र में करीब अट्ठाईस हजार मेगावाट बिजली की मांग है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले चार हजार मेगावाट ज्यादा है। उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, मध्यप्रदेश, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना जैसे राज्यों भी बिजलीघर कोयले की किल्लत से जूझ रहे हैं। झारखंड, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड में मांग के मुकाबले तीन-तीन फीसद कम बिजली मिल रही है।

आंध्र प्रदेश में तो मांग के मुकाबले बिजली की आपूर्ति में 8.7 फीसद की कमी आई है। उत्तर प्रदेश में बाईस हजार मेगावाट मांग के मुकाबले उन्नीस हजार मेगावाट की ही आपूर्ति हो पा रही है। राजस्थान और मध्यप्रदेश का भी कमोबेश यही हाल है। राजस्थान में प्रतिदिन बारह से सोलह हजार टन, जबकि मध्यप्रदेश में पंद्रह हजार छह सौ मीट्रिक टन कोयले की कमी चल रही है। हरियाणा में 11 अप्रैल की स्थिति देखें, तो इस दिन पिछले साल के मुकाबले बिजली की मांग बीस फीसद ज्यादा थी, लेकिन कोयले की कमी और तकनीकी गड़बड़ियों के कारण बिजली उत्पादन कम हो पा रहा है। पंजाब में भी कोयले की किल्लत के कारण बिजली उत्पादन बारह सौ मेगावाट घट गया है।

केंद्रीय बिजली प्राधिकरण (सीईए) के मुताबिक देश में एक सौ तिहत्तर बिजली संयंत्रों में से एक सौ पचपन ऐसे बिजली संयंत्र हैं, जहां पास में कोई कोयला खदान नहीं है और इनमें औसतन कोयले का करीब अट्ठाईस फीसद भंडार है। जबकि कोयला खदानों के पास स्थित अठारह संयंत्रों का औसत भंडार सामान्य मांग का इक्यासी फीसद है। सीईए के आंकड़ों के अनुसार एक सौ तिहत्तर बिजली संयंत्रों में से सनतानवे में कोयले के भंडार की गंभीर स्थिति है। पिछले साल अक्तूबर में भी बिजली की मांग करीब एक फीसद बढ़ जाने के कारण कोयला संकट के चलते बिजली संकट गहराया था, लेकिन अब केवल एक हफ्ते के भीतर ही बिजली की मांग 1.4 फीसद बढ़ जाने से यह संकट गंभीर हो गया है।

पिछले साल के बिजली संकट के बाद यह स्पष्ट हुआ था कि बिजली संयंत्रों को कोयले की वांछित आपूर्ति नहीं होने के अलावा कई नीतिगत खामियां भी बिजली संकट का प्रमुख कारण बनती रही हैं। बिजली संकट के कारण आम नागरिकों की परेशानियां तो बढ़ती ही हैं, देश की अर्थव्यवस्था पर भी काफी बुरा असर पड़ता है। ऊर्जा की कमी को आर्थिक विकास में बड़ी बाधा माना गया है।

गौरतलब है कि कोरोना काल से पहले अगस्त 2019 में देश में बिजली की खपत एक सौ छह अरब यूनिट थी, जो करीब अठारह फीसद बढ़ोतरी के साथ अगस्त 2021 में एक सौ चौबीस अरब यूनिट हो गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि मार्च 2023 तक देश में बिजली की मांग में 15.2 फीसद तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जिसे पूरा करने के लिए कोयला आधारित बिजलीघरों को उत्पादन में 17.6 फीसद वृद्धि करनी होगी। देशभर में कुल उत्पादन का पचहत्तर फीसद बिजली उत्पादन कोयला से चलने वाले बिजलीघरों से ही होता है।

बिजली संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने गैरबिजली क्षेत्र को कोयले की कम आपूर्ति करने का फैसला किया है। साथ ही, आयातित कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों की समीक्षा के बाद सरकार ने यह निर्णय भी किया कि कोयला संकट से निपटने और बिजली उत्पादन जारी रखने के लिए केंद्र सरकार राज्यों को खदानों के पास वाले संयंत्रों के लिए लिंकेज कोल पर पच्चीस फीसद टोलिंग सुविधा देगी, जिसके तहत आयातित कोयले में देशी कोयला मिलाया जाता है।

लंबी दूरी के परिवहन से बचने के लिए बिजली मंत्रालय ने देशी और आयातित कोयले को मिलाने की जो सुविधा मुहैया कराने का फैसला किया है, उस प्रणाली में राज्यों की बिजली उत्पादन कंपनियां कोयला खदानों के पास तापबिजली घरों को उत्पादन करने की अनुमति दे सकती हैं। कोयले की बढ़ती मांग के कारण बिजली मंत्रालय ने कोयले का आयात बढ़ा कर तीन करोड़ साठ लाख टन करने को कहा है। हालांकि विदेशों से कोयले का आयात बंद करने से भी समस्या गहराई है।

दरअसल अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोयले की कीमतें काफी बढ़ी हैं। बिजली संयंत्र भी कोयले का आयात इसीलिए बंद या बहुत कम कर रहे हैं क्योंकि इससे उनकी उत्पादन लागत काफी बढ़ रही है। यही कारण है कि घरेलू कोयले की कमी को देखते हुए सरकार सभी ताप संयंत्रों को घरेलू कोयले के साथ दस फीसद तक आयातित कोयला मिला कर इस्तेमाल करने के सुझाव के बाद भी इस समस्या का कोई स्थायी समाधान निकलता नहीं दिखता।

कोयले की कमी से बार-बार उपजते बिजली संकट से निजात पाने के लिए बिजली कंपनियों को भी कड़े कदम उठाने की दरकार है।

दरअसल बिजली वितरण में तकनीकी गड़बड़ियों के कारण काफी बिजली नष्ट हो जाती है। वितरण प्रणाली को दुरुस्त करके बेवजह नष्ट होने वाली इस बिजली को बचाया जा सकता है। इसके अलावा लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर चोरी की जाने वाली बिजली के मामले में भी सख्ती बरतते हुए निगरानी तंत्र विकसित करते हुए बिजली की चोरी पर अंकुश लगाना होगा। बिजली संकट से स्थायी राहत के लिए अब आवश्यकता इस बात की भी महसूस होने लगी है कि देश में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के बजाय प्रदूषण रहित सौर ऊर्जा परियोजनाओं, पनबिजली परियोजनाओं और परमाणु बिजली परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाए।

हालांकि इस वर्ष तक सौर ऊर्जा के जरिए सौ गीगावाट बिजली पैदा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन इस लक्ष्य को हासिल नहीं किए जा सकने के कारण भी बिजली की कमी का संकट बना है। सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत फिलहाल चीन, अमेरिका, जापान और जर्मनी के बाद दुनियाभर में पांचवें स्थान पर है। बिजली के समय-समय पर गहराते संकट से देश को निजात तभी मिलेगी, जब सौर ऊर्जा परियोजनाओं के जरिए लक्ष्यों को समय से हासिल किया जाए। घरों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाए, उन्हें आसान शर्तों पर कर्ज और सरकारी मदद दी जाए।

संत शिरोमणी सेन जी महाराज का इतिहास

संहिता 132 के आधार पर श्री सेनजी महाराज की जन्म तिथि बैसाख बदी 12 विक्रम संवत 1357 मानी गई है। पूर्व भाद्रपक्ष नक्षत्र तुला लगन ब्रह्म योग माना गया हैं। इतिहासिक शोध के आधार पर मध्यप्रदेश में बान्धवगढ़ जन्मस्थान प्रमाणित माना है। इसका पता हमें भक्तमाला – राम सीतावली में रीवा नरेश रघुराज सिंह जी ने निम्न रूप स्पष्ट किया है –

'बान्धवगढ़ पूरब जो गायों,
सेन नाम नापित तह पायों
ताकि रहे सदा यही रीति
करत रहे साधन सो प्रीति
तह को राजा राम धेला
बरन्यो जेही रामानंद को चेलों
करे सदा तिनकी सेवा का ही,
मुकर दिखावें तेल लगाई'

रीवा राज्य के राजाराम या रामचंद्र का समय संवत 1611 से 1648 तक माना गया है। इसी अवधि में रामानंद जी से सेनजी ने दीक्षा ली और सेन भक्त कहलायें। भगवत् भक्ति में लीन सेन जी को प्रभु में देखकर नाई का रूप धारण कर बांधवगढ़ में महाराज रामसिंह का क्षौर कर्म करने वाली घटना भी इसी संदर्भ में प्रसिद्ध हुई। जो संक्षिप्त में इस प्रकार है – की

जब श्री सेन अपने घर में भगवान का कीर्तन और संतसंघ में मग्न थे। तब उन्हें ध्यान न रहा नित्य कर्म की भांति महाराजा रामसिंह की हजामत व तेल मालिश करना है। उधर महाराजा सेन जी की प्रतिक्षा कर रहे थें। उनके समय पर नहीं पहुचने से बैचेनी और क्रोध आ रहा था। अपने दूतों को उन्हें लाने भेजा। दूतों को देखकर सेन जी की पत्नि ने उन्हें मना कर दिया कि वे घर पर नही हैं क्योंकि उस समय वे भक्ति में लीन थे । दूत चले गये और घटना राजा को सुना दी । सेन भक्त को न आता देखकर महाराजा का क्रोध और बढ़ा और उन्हे जेल में बन्द कर नदी में बांधकर फैंक देने या सूली पर चढाने का आदेश दे दिया। भक्त सेन अपनी भक्ति में लीन थे । ऐसी अवस्था में भगवान ने स्वयं नाई का रूप धारण कर राजमहल में पहुंचे राजा ने जब उन्हें देखा तो आग बबूला हो गये परंतु ज्यों ज्यों सेन जी उनके पास आते गये उनका क्रोध दूर होता गया और पास आने पर देरी का कारण भी नही पूछ सके। सेन भक्त के रूप में भगवान ने वही कार्य किया जो सेन करता था। राजा को उनके स्पर्श से नई अनुभूति हुई और सुख का अहसास हो रहा था। उन्होंने प्रसन्न होकर सेन के जाते वक्त पेटी में सोने की एक मोहर डाल दी। सेन सीधे घर आये और अपनी रछोनी (हजामत की पेटी) खुंटी पर टांग दी। कहते है उस घर में भगवान के कुमकुम के पगलिये मंड गये और वे भक्त को देखते हुए अपने धाम चले गये। सेन जी महाराज को इस अद्भूत घटना का कुछ भी ज्ञान नही था। वे जब भगवत् भक्ति से निवृत हुये तो दिन काफी चढ़ चुका था। वे घबराये, हाँफते हुए अपनी पेटी को लेकर राजा के महलों में पहुँचे। राजा ने अपने यहां दुबारा आता देखकर आश्चर्य के साथ चकित होते हुए पूछा कि अभी अभी तो आप आकर गये थे आज दुबारा कैसे आये, सेन जी ने सारी बात बतला दी। इस पर राजा ने सेनजी की रछोनी खोली और देखा कि वह मोहर जो राजा ने दी थी वह उस में है। यह देखकर राजा और सेन दोनों को पूर्ण विष्वास हो गया कि भगवान ने ही अपने भक्त कि लज्जा रखने के लिए सेन का रूप धारण कर राजा की सेवा की है। सेन कि उपस्थिति में ही राजा के शरीर में एक अदभुद सा परिवर्तन होने लगा उसके शरीर का कोढ धीरे-धीरे समाप्त होने लगा और राजा का शरीर निरोगी की तरह चमकने लगा। राजा को आत्मलानि हुई और वह तुरंत उठकर सेन के चरणों में गिर पडें और बार-बार क्षमायाचना करने लगे। उन्होनें सेन भक्त के चरणों को धोया। ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार श्री कृष्ण ने सुदामा के चरणो का धोया था। सेन भक्त अपनी भक्ति में दिन रात व्यस्त रहने लगे। भजन कीर्तन सत्संग ही उनका जीवन था। अनेको भक्त उनके घर में उपस्थित होकर भगवत् भक्ति का आनन्द लेते थे। सेन भक्त की भगवत् भक्ति का ये प्रमाण अभी दर्शाया गया है। ऐसे कई प्रमाण उनके भक्ति संबंध में प्राप्त हुये है। उन सभी का उल्लेख करना यहां संभव नहीं होगा। अतः मैं आपका ध्यान उनके द्वारा रचित भजन की ओर आकषित कर उनकी महानता का परिचय देना अपना कर्तव्य मान रहा हूँ। उन्होंने संकेत दिया है कि 'जन्म लोक न्हीवीन चे उदरी' अर्थात नायिन माता के गर्भ से मेरा जन्म हुआ है। जिनका गौत्र बनभैरू (गौहिल) था। पिता का नाम श्री देवीदास जी, माता कुवंरबाई, पत्नि गजरा देवी और उनके दो पुत्र व एक पुत्री का उल्लेख भी मिलता है। सेन जी महाराज रामानंद जी के समावत सम्प्रदाय से दीक्षित थे। वे श्री राम सीता और हनुमान जी की उपासना करते थे। अपने भजनों में उनका गुणगान करते थे। वे एक उच्च कोटी के भक्त कवि माने गये है। उन्होंने हिन्दी मराठी गुरुमुखी और राजस्थानी में सेन सागर ग्रंथ रचा जिसमें 150 गीतों का उल्लेख मिलता है। गुरुग्रंथ साहब में भी श्री सेन जी के कुछ पद संकलित है। भक्त सेन ने उस समय की एकता व प्रेम मूलक समाज को अपने भजनों में माध्यम बनाये रखा।

नए सैन्य प्रमुख के आगे होगा बड़ी चुनौतियों का अंबार

(राहुल सिंह)

चीन द्वारा पेश की गई सैन्य चुनौतियों का सामना करने के लिए क्षमता निर्माण, सैन्य थियेटराइजेशन अभियान को गति प्रदान करना, सैन्य अनुपात में सुधार और स्वदेशीकरण पर ध्यान देते हुए रक्षा बजट का बेहतर उपयोग भारत की प्राथमिकताओं में शामिल है। इन प्राथमिकताओं के बीच सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे 30 अप्रैल को 13 लाख संख्या वाले मजबूत सुरक्षा बल की बागडोर संभालेंगे।

वह कोर ऑफ इंजीनियर्स से शीर्ष पद संभालने वाले पहले अधिकारी होंगे। 59 वर्षीय जनरल के पास अपने दृष्टिकोण को लागू करने और सुरक्षा बल के सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए दो साल और एक महीने का समय होगा। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में चीन के साथ हमारी सीमाओं पर हुए बदलाव ने औचक किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने की जरूरत को रेखांकित किया है। किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए सेना की युद्ध क्षमता को बढ़ाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक होगा। भारत-चीन सीमा पर अभी भी 50,000 से 60,000 सैनिक हैं और लद्दाख के मोर्चे पर उन्नत हथियार भी तैनात हैं। रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल डीएस हुड्डा इशारा करते हैं कि चीन की ओर से उभरती सैन्य चुनौतियां नए सैन्य प्रमुख के लिए एक शीर्ष फोकस का क्षेत्र है। एक चुस्त और तकनीकी रूप से उन्नत सुरक्षा बल बनाने के लिए सेना में सुधार और पुनर्गठन भी प्राथमिकता होगा। अभी सेना में टूथ-टु-टेल मतलब दांत से पूंछ तक अनुपात सुधारने की जरूरत है, इसका अर्थ है एक लड़ाकू सैनिक (दांत) के पीछे सहयोग के लिए आवश्यक कर्मियों (पूंछ) की संख्या। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे, जो अभी सेना के उप-प्रमुख हैं, 29वें प्रमुख के रूप में ऐसे समय में पदभार संभालेंगे, जब भारत सेना की विशेष तैनाती व रूपरेखा या सैन्य थियेटर के लिए एक रोडमैप पर काम कर रहा है। लंबे समय से प्रतीक्षित रक्षा सुधार भविष्य के लिए तीनों सेनाओं के संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए जरूरी है। सैन्य रणनीतिकार त्रि-रक्षा सेवा तालमेल बढ़ाने के लिए चार एकीकृत कमांड स्थापित करना चाहते हैं, दो भूमि केंद्रित कमांड, एक वायु रक्षा कमांड और एक समुद्री कमांड।उम्मीद की जा रही है कि तीनों सेनाएं इस महीने थियेटराइजेशन और संयुक्त ढांचे पर व्यापक रिपोर्ट पेश करेंगी। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे अन्य दो सैन्य प्रमुखों के साथ सैन्य ढांचे की योजनाओं को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सशस्त्र बलों के पास वर्तमान में देश भर में फैले 17 सिंगल-सर्विस कमांड हैं। भारतीय थल सेना और भारतीय वायु सेना के पास सात-सात कमांड हैं, जबकि भारतीय नौसेना के पास तीन हैं। भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत सैन्य थियेटर निर्माण अभियान की अगुवाई कर रहे थे। वह पिछले दिसंबर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना के शिकार हो गए थे। सरकार ने अभी तक उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति नहीं की है। सीडीएस के निधन को सैन्य सुधारों के लिए एक झटके के रूप में देखा गया था। खैर, मनोज पांडे ऐसे समय में सैन्य प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे, जब सैन्य योजनाकार भारत की सैन्य तैयारियों पर रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं, क्योंकि देश के दो-तिहाई सैन्य उपकरण रूसी मूल के हैं। इस युद्ध ने भारत की सैन्य तैयारियों को परीक्षा में डाल दिया है, और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए नई तात्कालिक जरूरत खड़ी कर दी है। पेशेवर सैन्य शिक्षा की समीक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। यह भी गौर करने की बात है कि सरकार ने वरिष्ठता के आधार पर लेफ्टिनेंट जनरल पांडे को अगले प्रमुख के रूप में नामित किया है, क्योंकि वह वर्तमान में जनरल नरवणे के बाद सेना में सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं।

शांत भारत ही तरक्की कर पायेगा, तनाव का माहौल देशहित में नहीं है

उन्माद, अविश्वास, राजनैतिक अनैतिकता और दमन एवं संदेह का वातावरण एकाएक उत्पन्न हुआ है। उसे शीघ्र दूर करना होगा। ऐसी अनिश्चय और भय की स्थिति किसी भी राष्ट्र के लिए संकट की परिचायक है और इन संकटों को समाप्त करने की दृष्टि से देश के कई राज्यों में घटी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ताजा फैसलों का महत्व समझा जा सकता है। योगी सख्त प्रशासक के रूप में जाने जाते हैं और उनके ताजा निर्देश इस बात की ओर इंगित करते हैं।

(ललित गर्ग)

कैसी विसंगतिपूर्ण साम्प्रदायिक सोच है कि जब हमारी ऊर्जा विज्ञान व पर्यावरण, शिक्षा एवं चिकित्सा के जटिल मुद्दों को सुलझाने में खर्च होनी चाहिए थी, वो ऊर्जा सांप्रदायिक ताकत को बढ़ाने के लिए खर्च हो रही है। ऐसा क्यों है?

समस्याएं अनेक हैं। बात कहां से शुरू की जाए। खो भी बहुत चुके हैं और खोने की रफ्तार तीव्र से तीव्रत्तर होती जा रही है। जिनकी भरपाई मुश्किल है। भाईचारा, सद्भाव, निष्ठा, विश्वास, करुणा यानि कि जीवन मूल्य खो रहे हैं। मूल्य अक्षर नहीं होते, संस्कार होते हैं, आचरण होते हैं। हम अपने आदर्शों एवं मूल्यों को खोते ही जा रहे हैं, एक बार फिर रामनवमी और हनुमान जयंती के अवसरों पर देश के कई प्रदेशों में हिंसा, नफरत, द्वेष और तोड़-फोड़ के दृश्य देखे गए। उत्तर भारत के प्रांतों के अलावा ऐसी घटनाएं दक्षिण और पूर्व के प्रांतों में भी हुईं। ऐसे सांप्रदायिक दंगे और खून का बहना कांग्रेस के शासन में होता रहा, लेकिन पिछले एक दशक में ऐसी हिंसात्मक साम्प्रदायिक घटनाएं पहली बार कई प्रदेशों में एक साथ हुई हैं, ऐसा होना काफी चिंता का विषय है।

उन्माद, अविश्वास, राजनैतिक अनैतिकता और दमन एवं संदेह का वातावरण एकाएक उत्पन्न हुआ है। उसे शीघ्र दूर करना होगा। ऐसी अनिश्चय और भय की स्थिति किसी भी राष्ट्र के लिए संकट की परिचायक है और इन संकटों को समाप्त करने की दृष्टि से देश के कई राज्यों में घटी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ताजा फैसलों का महत्व समझा जा सकता है। योगी सख्त प्रशासक के रूप में जाने जाते हैं और उनके ताजा निर्देश इस बात की ओर इंगित करते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य की कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया कि नए धार्मिक जुलूसों की इजाजत न

दी जाए और न ही नए धर्मस्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने की। पारंपरिक जुलूसों और शोभायात्राओं के संदर्भ में भी उन्होंने तय मानदंडों का हर हाल में पालन कराने का निर्देश दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं कि आस्था नितांत निजी विषय है और देश का कानून अपने सभी नागरिकों को उपासना की आजादी देता है। लेकिन आस्था जब प्रतिस्पर्धा में तब्दील होने लगे, तब वह कानून के दायरे में भी आ जाती है।पिछली सरकारें समाधान के लिए कदम उठाने में भले ही राजनीति नफा-नुकसान के गणित को देखते हुए भय महसूस करती रही हों, उन्हें सत्ता से विमुख हो जाने का डर सताता रहा हो। लेकिन योगी और मोदी इन भयों से ऊपर उठकर कठोर एवं साहसिक निर्णय ले रहे हैं, यही कारण है कि साम्प्रदायिक नफरत, हिंसा एवं द्वेष फैलाने वाले समय रहते पृष्ठभूमि में जाते देखे गये हैं। क्योंकि यदि इस तरह के दायित्व से विमुख हुए तो देश के नागरिक युद्ध की ओर बढ़ सकते हैं। साम्प्रदायिक नफरत एवं द्वेष की तल्ख घटनाओं को कुरेदने की राजनीति से भाईचारे की संस्कृति को चोट पहुंचाई जा रही है। स्वार्थ एवं संकीर्णता की राजनीति से देश का चरित्र धुंधला रहा है। सत्ता के मोह ने, वोट के मोह ने शायद उनके विवेक का अपहरण कर लिया है। कहीं कोई स्वयं शेर पर सवार हो चुका है तो कहीं किसी नेवले ने सांप को पकड़ लिया है। न शेर पर से उतरते बनता है, न सांप को छोड़ते बनता है। धरती पुत्र, जनक रक्षक, पिछड़ों के मसीहा और धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर का मुखौटा लगाने वाले आज जन विश्वास का हनन करने लगे हैं। जनादेश की परिभाषा अपनी सुविधानुसार करने लगे हैं। कोई किसी का भाग्य विधाता नहीं होता, कोई किसी का निर्माता नहीं होता, भारतीय संस्कृति के इस मूलमंत्र को समझने की शक्ति भले ही वर्तमान के इन तथाकथित राजनीतिज्ञों में न हो, पर इस नासमझी से सत्य का अंत तो नहीं हो सकता। अंत तो उसका होता है जो सत्य का विरोधी है, लोकतंत्र में साम्प्रदायिकता, जातीयता, हिंसा एवं अराजकता जैसे उपाय किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकते। इस मौलिक सत्य व सिद्धांत की जानकारी से आज का नेतृत्व वर्ग भलीभांति भिज्ञ है, यही इस राष्ट्र की एकता और अखण्डता को जीवंतता दे सकेगा।बहुधर्मी भारतीय समाज में पूजा-इबादत की विविधता इसके सांस्कृतिक सौंदर्य का अटूट हिस्सा है और दुनिया इसकी मिसालें भी देती रही है और यही इस राष्ट्र की ताकत भी रहा है। यह विशेषता एकाएक हासिल नहीं हुई, समाज ने सहस्राब्दियों में इसको अर्जित किया है। लेकिन आजाद भारत में कतिपय राजनीतिक दलों द्वारा अंत तो उसका होता है जो जनभावना के साथ विश्वासघात करता है। जनमत एवं जन विश्वास तो दिव्य शक्ति है। उसका उपयोग आदर्शों, सिद्धांतों और मर्यादाओं की रक्षा के लिए हो, तभी अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्ति होगी। तभी होगा राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान। तभी होगी अपनत्व और विश्वास की पुनः प्रतिष्ठा। तभी साम्प्रदायिकता के अंधेरे को दूर किया जा सकेगा। वरना ईमानदारी की लक्ष्मण रेखा जिसने भी लांघी, वक्त के रावण ने उसे उठा लिया।कैसी विडम्बना है कि इस तरह के सांप्रदायिक दंगे और हिंसात्मक घटना-क्रम का आरोप भाजपा लगाया जाता है, जबकि कांग्रेसियों, कम्युनिस्टों और समाजवादियों ने अपने गिरते राजनीतिक वर्चस्व के कारण इन सब घटनाओं को अंजाम दिया है। भला कोई भी सत्ताधारी पार्टी ऐसे दंगों एवं साम्प्रदायिक हिंसा को अंजाम देकर अपनी शासन-व्यवस्था पर क्यों दाग लगायेगी? इस देश की बढ़ती साख एवं राष्ट्रीयता को गिराने की मंशा रखने वाले राजनीतिक दलों एवं समुदायों का यह स्थायी चरित्र बन गया है कि वे अपने राष्ट्र से भी कहीं ज्यादा महत्व अपने स्वार्थ, अपनी जात और अपने मज़हब को देते हैं। 1947 के बाद जिस नए शक्तिशाली और एकात्म राष्ट्र का हमें निर्माण करना था, उस सपने का इन संकीर्ण एवं साम्प्रदायिक दलों की राजनीति ने चूरा-चूरा कर दिया। थोक वोट के लालच में सभी राजनीतिक दल जातिवाद और सांप्रदायिकता का सहारा लेने में ज़रा भी संकोच नहीं करते। जो कोई अपनी जात और मजहब को बनाए रखना चाहते हैं, उन्हें उसकी पूरी आजादी होनी चाहिए लेकिन उनके नाम पर घृणा फैलाना, ऊँच-नीच को बढ़ाना, दंगे और तोड़-फोड़ करना कहां तक उचित है? यही प्रवृत्ति देश में पनपती रही तो भौगोलिक दृष्टि से तो भारत एक ही रहेगा लेकिन मानसिक दृष्टि से उसके टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे।

29 अप्रैल को शनि बदलेंगे अपनी चाल, कुंभ राशि में रहेंगे ढाई साल

28-29 अप्रैल 2022 के दरमियान शनि मकर से निकलकर यह ग्रह कुंभ राशि में प्रवेश करेगा। शनि एक राशि कुंभ में करीब 30 साल बाद गोचर कर रहा है। ऐसे में कुंभ सहित सभी राशियों पर इसका प्रभाव देखा जाएगा।

शनि गोचर

बृहस्पति के बाद 29 अप्रैल को शनि मकर राशि से निकलकर कुंभ में गोचर करेगा। परंतु 12 जुलाई 2022 को शनि वक्री होकर फिर से मकर राशि में प्रवेश करेगा। शनि ग्रह हर ढाई साल के अंतराल पर एक राशि से दूसरी राशि में जाता है। 12 राशियों को चक्र 30 साल में पूर्ण होता है। यानी एक राशि से निकलने के बाद शनि 30 साल बाद ही उसी राशि में गोचर करता है।

शनि गोचर असर

शनि की दो राशियां हैं मकर और कुंभ। वर्ष 2020 में अपनी ही राशि मकर में आने के बाद शनि ने देश और दुनिया में बहुत उथल-पुथल मचाई थी। मकर राशि में ही शनि का मंगल, शुक्र, सूर्य आदि सभी ग्रहों के साथ बारी बारी से युति का चक्र चला जिसके चलते महामारी, युद्ध, आंधी तूफान, भूकंप आदि आपदाओं को झेलना पड़ा। इस वर्ष में मीन राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू होने से इनकी परेशानी बढ़ेगी, जबकि धनु राशि वालों की साढ़ेसाती खत्म होगी और मकर, कुंभ राशि वालों को राहत मिलेगी। दूसरी ओर मिथुन और तुला राशि वालों की ढैय्या समाप्त होगी और कर्क, वृश्चिक राशि वालों पर प्रारंभ होगी।

12 राशियों पर शनि का प्रभाव

- **मेष:** आर्थिक रूप में मजबूत होंगे। आंखों का ध्यान रखना होगा।
- **वृष:** नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। सेहत का ध्यान रखना होगा।
- **मिथुन:** बेरोजगार हैं तो रोजगार मिलेगा और धन-समृद्धि में बढ़ोतरी होगी।
- **कर्क:** चिंता और भागदौड़ भरा जीवन रहेाग लेकिन समस्याओं का समाधान होगा।
- **सिंह:** कड़ी मेहनत के बाद ही फल मिलेगा।
- **कन्या:** खर्च बढ़ जाएंगे। हालांकि मांगलिक कार्य संपन्न होंगे।
- **तुला:** भूमि, भवन या वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं।
- **वृश्चिक:** आपको खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का सहयोग बढ़ेगा।
- **धनु:** परिश्रम करने के अनुसार ही सफलता मिलेगी। हालांकि संतान की ओर से चिंता रहेगी।
- **मकर:** आपके भी खर्च बढ़ जाएंगे। आपके अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा।
- **कुंभ:** वाद-विवाद से बच कर रहें। सेहत का ध्यान रखें।
- **मीन:** आपको आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। स्थानांतरण के योग बन रहे हैं।

वैशाख मास में शिव विष्णु और पितृ

इन 3 की पूजा का है महत्व

17 अप्रैल से वैशाख माह प्रारंभ हो गया है, जो 16 मई 2022 तक चलेगा। इस माह में भगवान शिव और विष्णु के साथ ही पितरों की पूजा की जाती है जिसका खासा महत्व पुराणों में बताया गया है।

- इसी माह में अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु के नर-नारायण का सहित परशुराम और हयग्रीव का अवतार हुआ था। इस माह में नृसिंह भगवान, कूर्म अवतार, मां गंगा, भगवान चित्रगुप्त की पूजा की जाती है।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी माह से त्रेतायुग का आरंभ हुआ था। इसी वजह से इसका धर्मिक महत्व बढ़ जाता है।
- वैशाख मास को माधव नाम से भी जाना जाता है। माधव विष्णु का एक नाम है। इस माह में विष्णु भगवान की पूजा का खासा महत्व है।
- वैशाख मास में भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। इस दौरान भगवान विष्णु की तुलसीपत्र से माधव रूप की पूजा की जाती है। स्कन्द पुराण के वैष्णव खण्ड अनुसार.

न माधवसमो मासो
न कृतेन युगं समम।
न च वेदसमं शास्त्रं
न तीर्थं गंगया समम।।

अर्थात: माधवमास, यानि वैशाख मास के समान कोई मास नहीं है, सतयुग के समान कोई युग नहीं है, वेदों के समान कोई शास्त्र नहीं है और गंगाजी के समान कोई तीर्थ नहीं है।

- इस माह के दौरान आपको- ऊँ माधवाय नमः - मंत्र का नित्य ही कम से कम 11 बार जप करना चाहिए। साथ ही भगवान विष्णु के केशव, हरि, गोविंद, त्रिविकरम, पद्मानाभ, मधुसूदन, अच्युत और हृषिकेष नाम का भी ध्यान करें। उन्होंने पंचामृत का भोग लगाएं और उस पंचामृत में तुलसी पत्र डालना न भूलें। साथ ही उन्हें सफेद या पीले फूल अर्पित करने चाहिए।
- वैशाख माह में पितरों की पूजा करने का भी खासा महत्व है। इस माह में पितरों के निमित्त तर्पण और पिंडदान करना चाहिए। वैशाख माह की कथा में इसी का महत्व बताया गया है। कथा के अनुसार धर्मवर्ण नामक के विप्र ने वैशाख अमावस्या पर विधि विधान से पिंडदान कर अपने पितरों को मुक्ति दिलाई थी।
- इस महीने में भगवान शिवजी की पूजा करने से कई गुना शुभ फल मिलता है और वे जल्द ही प्रसन्न होते हैं।

वैशाख मास के दान, देंगे धन, संपत्ति और खुशियों का वरदान

हिन्दू नववर्ष का दूसरा माह वैशाख माह प्रारंभ हो गया है, जो 16 मई 2022 तक रहेगा। इस माह में दान का महत्व बढ़ जाता है। कहते हैं कि यदि आपने पूरे वर्ष कोई भी दान नहीं किया है तो इस माह में करके पूरे वर्ष किए दान का फल प्राप्त कर सकते हैं। आओ जानते हैं 25 महत्वपूर्ण दान, जिसमें से आप अपनी यथाशक्ति अनुसार दान कर सकते हैं।

- पंचधान अनाज : गेहूं, जौ, मूंग, धान और तिल।
- पंचमेवा : काजू, बादाम, किशमिश, छुआरा और खोपरागिट।
- श्रृंगार का सामान : दर्पण, कंघा, तिलक आदि।
- सीधा दान : घी, आटा, नमक, गुड़, तेल, शक्कर।
- वस्त्र दान : कुर्ता, पायजामा, धोति आदि। ◗ पंखा।
- सत्तू, सत्तू, ककड़ी और खरबूजा।
- दूध, दही, घी और शहद।
- चावल धान्य।
- फल, इमली या सब्जी।
- पलंग, कंबल, चादर, गादी, रजाई, तकिया।
- छाता ◗ मिट्टी का घड़ा
- खड़ाऊं ◗ गौ दान ◗ स्वर्ण
- चांदी ◗ बर्तन ◗ भूमि
- पिण्डदान ◗ कॉपी- पुस्तक
- औषध ◗ जुते चप्पल
- टोपी या साफा ◗ दीपदान

चतुर्थी का व्रत करने के 2 सबसे बड़े लाभ

प्रत्येक माह में दो चतुर्थी होती है। इस तरह 24 चतुर्थी और प्रत्येक तीन वर्ष बाद अधिमास की मिलाकर 26 चतुर्थी होती है। सभी चतुर्थी की महिमा और महत्व अलग-अलग है। आओ जानते हैं चतुर्थी का व्रत करने के 5 लाभ।

विनायक चतुर्थी : चतुर्थी (चौथ) के देवता हैं शिवपुत्र गणेश। इस तिथि में भगवान गणेश का पूजन से सभी विघ्नों का नाश हो जाता है। भाद्र माह की चतुर्थी को गणेशजी का जन्म हुआ था, जिसे विनायक चतुर्थी कहते हैं। कई स्थानों पर विनायक चतुर्थी को 'वरद विनायक चतुर्थी' और 'गणेश चतुर्थी' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश की आराधना सुख-सौभाग्य की दृष्टि से श्रेष्ठ है।

संकष्टी चतुर्थी : माघ मास के कृष्ण पक्ष को आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी, माघी चतुर्थी या तिल चौथ कहा जाता है। बारह माह के अनुक्रम में यह सबसे बड़ी चतुर्थी मानी गई है। चतुर्थी के व्रतों के पालन से संकट से मुक्ति मिलती है और आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

चतुर्थी का रहस्य

यह खला तिथि हैं। तिथि 'रिक्ता संज्ञक' कहलाती है। अतः इसमें शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। यदि चतुर्थी गुरुवार को हो तो मृत्युदा होती है और शनिवार की चतुर्थी सिद्धिदा होती है और चतुर्थी के 'रिक्ता' होने का दोष उस विशेष स्थिति में लगभग समाप्त हो जाता है। चतुर्थी तिथि की दिशा नैऋत्य है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं और पूर्णिमा के बाद कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहते हैं।

गोदन्ती रत्न पहनने के फायदे

प्राचीन ग्रंथों में रत्नों के 84 से अधिक प्रकार बताए गए हैं। उनमें से बहुत तो अब मिलते ही नहीं। मुख्यतः 9 रत्नों का ही ज्यादा प्रचलन है। इन 9 रत्नों के ही उपरत्न भी बहुत से हैं। आओ जानते हैं गोदन्ती के बारे में 5 खास बातें। लहसुनिया किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं

- गोदंती लहसुनिया का उपरत्न है। लहसुनिया को पहनने के जो फायदे है वहीं इसके पहने के भी फायदे हैं।
- गोदंती के स्वामी ग्रह चंद्रमा हैं और उनकी राशि कर्क है। अतः इससे पहने से चंद्रदोष दूर होता है। इसे चंद्रकांता मणि भी कहते हैं।
- इस रत्न को धारण करने से मानसिक तनाव भी कम होता है।
- यह रतन भाग्य को जागृत करके सकारात्मक एनर्जी को बढ़ाता है और आपके आसपास प्रसन्नता निर्मित कर देता है।
- करियर और व्यापार में भी यह रत्न पहनने से सफलता मिलती है।

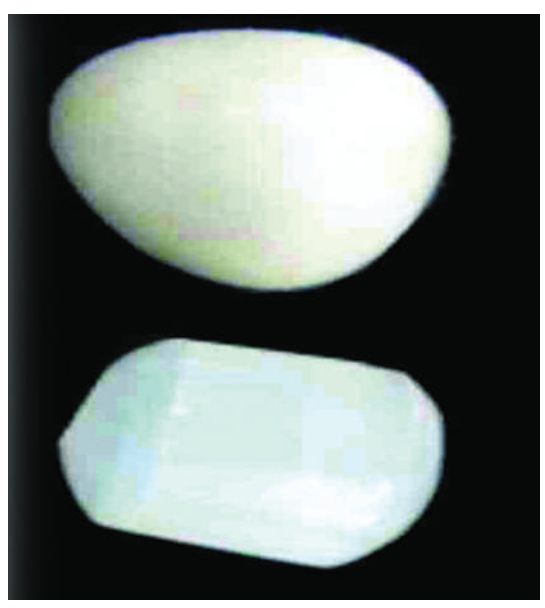

जौ, गेहूं और चावल से बने शिवलिंग की पूजा करने के फायदे

शिवपुराण अनुसार भगवान विष्णु ने पूरे जगत के सुख और कामनाओं की पूर्ति के लिए भगवान विश्वकर्मा को अलग-अलग तरह के शिवलिंग बनाकर देवताओं को देने की आज्ञा दी। विश्वकर्मा ने अलग-अलग पदार्थो, धातु व रत्नों से शिवलिंग बनाए। जैसे पारद, मिश्री, जौं चावल, भस्म, गुड़, फल फूल, स्वर्ण रजत, बिबर मिट्टी, दही, मक्खन, हीरे, मोती, मणि, मूंगा, नाग, पार्थिव, तांबा, इंद्रनील, पुखराज, पद्मराग, पीतल, लहसुनिया, रत्न, चंदन, स्फटिक आदि से शिवलिंग बनाए गए। सभी शिवलिंग के नाम भी अलग-अलग दिए गए और सभी का प्रभाव भी अलग-अलग बताया गया। शिवलिंग बनाने के बाद सभी की श्रेणियां भी रखी गई। जैसे, देवलिंग, असुरलिंग, अर्शलिंग, पुराणलिंग, मनुष्यलिंग, स्वयंभूलिंग। आओ जानते हैं कि जौं और चावल से बने शिवलिंग की पूजा करने के क्या लाभ हैं।

जौ, गेहूं और चावल से बने शिवलिंग

- इस शिवलिंग का पूजन पारिवारिक समृद्धि के लिए होता हैं।
- जो दम्पति संतानसुख से वंचित हैं उन्हें इस शिवलिंग की पूजा करने से संतान सुख की प्राप्ति होती हैं।
- इस शिवलिंग की पूजा करने से दाम्पत्य सुख की प्राप्ति होती है। पति-पत्नी के बीच के मनमुटाव भी समाप्त हो जाते हैं।
- इससे घर में सुख और शांति बनी रहती है।
- इसे घर में धन और समृद्धि बनी रहती है।

जौं, गेहूं, चावल तीनों का एक समान भाग में मिश्रण कर आटे के बने शिवलिंग कि पूजा से परिवार में सुख-समृद्धि एवं संतान का लाभ होकर रोग से रक्षा होती हैं। उपरोक्त पदार्थ से बने शिवलिंग को यवगोधूमशालिजलिंग कहते हैं, जिसे श्रीपुष्टि और पुत्रलाभ के लिए पूजते हैं। इस तरह से बने शिवलिंग की कम से कम 11 सोमवार को या श्रावण सोमवार में सभी दिन पूजा करने से अवश्य की पुत्रलाभ प्राप्त होता है।

नदी में सिक्के क्यों फेंके जाते हैं

नदी में सिक्के डालने की परंपरा सालों से चली आ रही है। आखिर हम नदी में सिक्का क्यों डालते हैं? इस रिवाज के पीछे एक बड़ी वजह छिपी हुई है। दरअसल, जिस समय नदी में सिक्का डालने की यह प्रथा या रिवाज शुरू हुआ था, उस समय में आज के स्टील के सिक्के की तरह नहीं बल्कि तांबे के सिक्के चला करते थे और तांबा जीवन और सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

पहले के जमाने में पानी का मुख्य स्रोत नदियां ही हुआ करती थीं। लोग हर काम में नदियों के पानी का ही इस्तेमाल किया करते थे। चूंकि तांबा पानी के प्यूरीफिकेशन करने में काम आता है और ये नदियों के प्रदूषित पानी को शुद्ध करने का एक बेहतर औजार भी रहा है इसलिए लोग जब भी नदी या किसी तालाब के पास से गुजरते थे, तो उसमें तांबे का सिक्का डाल दिया करते थे। आज तांबे के सिक्के चलन में नहीं है, लेकिन फिर भी तब से चली आ रही इस प्रथा को लोग आज भी मान रहे हैं।

चूड़ियों का महत्व

पुराने समय मे ज्यादातर महिलाएं सोने-चांदी की चूड़ियां पहना करती थीं। माना जाता है कि सोने-चांदी के घर्षण से शरीर को इनके शक्तिशाली तत्व प्राप्त होते हैं जिससे महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ मिलता है। महिलाएं, पुरुषों से कमजोर होती हैं। चूड़ियां उनके हाथों को मजबूत और शक्तिशाली बनाती हैं।

सिन्दूर लगाना

सिन्दूर हल्दी, नींबू और पारा के मिश्रण से तैयार किया जाता है। सिन्दूर महिला के रक्तचाप को नियंत्रित करने के अलावा उनकी सेक्सुअल ड्राइव को भी बढ़ाता है। इसे उस जगह पर लगाया जाता है, जहां पर पिट्यूटरी ग्रंथि होती है, जहां पर सारे हार्मोन डेवलप होते हैं। इसके अलावा सिन्दूर तनाव से भी महिलाओं को दूर रखता है।

बच्चों का कान छेदन

विज्ञान कहता है कि कर्णभेद से मस्तिष्क में रक्त का संचार समुचित प्रकार से होता है। इससे बौद्धिक योग्यता बढ़ती है और बच्चों के चेहरे पर चमक आती है। इसके कारण बच्चा बेहतर ज्ञान प्राप्त कर लेता है।

बड़ों के चरण स्पर्श करना

बड़ों के चरण-स्पर्श करने से अपने से बड़ों की विद्युत चुम्बकीय ऊर्जा शक्ति हमारे शरीर को नई ऊर्जा प्रदान कर ऊर्जावान, निरोगी और सकारात्मक विचारों से परिपूर्ण कर देती है। सुखासन से पूरे शरीर में रक्त-संचार समान रूप से होने लगता है जिससे शरीर अधिक ऊर्जावान हो जाता है।

हाथों में मेहंदी लगाना

विज्ञान कहता है कि मेहंदी बहुत ठंडी होती है और इस लगाने से दिमाग ठंडा रहता है और तनाव भी कम होता है इसलिए शादी के दिन दुल्हनें मेहंदी लगाती हैं जिससे कि उन्हें शादी का तनाव न हो पाए।

सर पर चोटी रखना

सिर पर चोटी रखने की परंपरा को हिन्दुत्व की पहचान तक माना जाता है। असल में जिस स्थान पर शिखा यानी कि चोटी रखने की परंपरा है, वहां पर सिर के बीचोबीच सुषुम्ना नाड़ी का स्थान होता है। सुषुम्ना नाड़ी इंसान के हर तरह के विकास में बड़ी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चोटी सुषुम्ना नाड़ी को हानिकारक प्रभावों से बचाती है।

भोजन के अंत में मिठाई खाना

जब हम कुछ मसालेदार भोजन खाते हैं तो हमारे शरीर में एसिड बनने लगता है जिससे हमारा खाना पचता है और यह एसिड ज्यादा न बने, इसके लिए आखिर में मिठाई खाई जाती है, जो पाचन प्रक्रिया शांत करती है।

तुलसी के पौधे की पूजा

तुलसी में विद्यमान रसायन वस्तुतः उतने ही गुणकारी हैं जितना वर्णन शास्त्रों में किया गया है। यह कीटनाशक है, कीटप्रतिकारक तथा खतरनाक जीवाणुनाशक है। विशेषकर एनाफिलिज जाति के मच्छरों के विरुद्ध इसका कीटनाशी प्रभाव उल्लेखनीय है।

पीपल के वृक्ष की पूजा

पीपल की उपयोगिता और महत्ता वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दोनों कारणों से है। यह वृक्ष अन्य वृक्षों की तुलना में वातावरण में ऑक्सीजन की अधिक से अधिक मात्रा में अभिवृद्धि करता है। यह प्रदूषित वायु को स्वच्छ करता है और आस-पास के वातावरण में सात्विकता की वृद्धि भी करता है। इसके संसर्ग में आते ही तन-मन स्वतः हर्षित और पुलकित हो जाता है। यही कारण है कि इस वृक्ष के नीचे ध्यान एवं मंत्र जप का विशेष महत्व है।

यूक्रेन-रूस-जंग पर तुर्की ने किया दावा-

48 घंटे में खत्म होगी जंग, इस्तांबुल में मिलेंगे पुतिन और जेलेंस्की

कीव/मॉस्को

यूक्रेन पर रूसी हमले को 60 से अधिक दिन हो चुके हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच जंग लगातार जारी है। यूक्रेन ने दावा किया है रूस लगातार स्टील कारखानों पर बमबारी कर रहा है। इस बीच तुर्की ने बड़ा दावा किया है। तुर्की ने कहा है कि 48 घंटे के भीतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की इंस्ताबुल में मुलाकात हो सकती है। तुर्की के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन ने कहा- हमें उम्मीद है कि अगले 48 घंटे में रूस और यूक्रेन के बीच जंग थम जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष जल्द मिलकर समस्या को सुलझाएंगे। हम दोनों देश के नेताओं के संपर्क में हैं।

पुतिन से मिलेंगे यूनाइटेड नेशन्स चीफ, यूक्रेन भी जा सकते हैं:- इधर, एक अहम अपडेट यह है कि यूनाइटेड नेशन्स के जनरल सेक्रेटरी एंटोनियो गुटेरेस मंगलवार को मॉस्को जाएंगे। वे

वहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। UN के प्रवक्ता ने बताया कि पुतिन और गुटेरस के बीच मंगलवार को मॉस्को में मीटिंग प्रस्तावित है। गुटेरेस रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात करेंगे

ताइवान ने यूक्रेन को 611 करोड़ रु की मदद भेजी

द कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, गुटेरेस गुरुवार को यूक्रेन भी जाएंगे। वे वहां राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी मुलाकात करेंगे। बता दें कि गुटेरेस ने इसी हफ्ते रूस और यूक्रेन को लेटर लिखा था। इसमें दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की अपील की गई थी। रूस-यूक्रेन जंग में जहां चीन रूस की मदद कर रहा है, वहीं ताइवान ने यूक्रेन का समर्थन करते हुए करीब 8 मिलियन डॉलर यानी 611 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। इस रकम का इस्तेमाल वहां हॉस्पिटल और मेडिकल सर्विसेस को फिर से शुरू करने के लिए किया जाएगा।

ब्लैक सी में 27 रूसी सैनिक लापता

रूस ने बयान जारी कर कहा है कि ब्लैक सी में जहाज पर यूक्रेन ी हमले से उसके 27 सैनिक लापता हो गए हैं, जबकि एक सैनिक की मौत हो गई है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने आगे कहा कि हमने 396 क्रू मेंबर्स को रेस्क्यू कर लिया है। मास्कोवा में 14 अप्रैल को यूक्रेन ने रूसी जंगी जहाज पर हमला किया था।

रिपोर्ट में दावा- जंग में 13,000 से ज्यादा रूसी सैनिक मरे

मीडिया रेडोव्का की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के हमले में 13 हजार 414 रूसी सैनिकों की मौत हुई है, जबकि 7 हजार रूसी सैनिक अभी भी लापता हैं। इसकी पुष्टि रूसी रक्षा मंत्रालय की एक गोपनीय ब्रीफिंग में की गई थी। हालांकि, रेडोव्का ने बाद में इस रिपोर्ट को अपने ट्विटर अकाउंट से हटा दिया।

नदिया रेप केस में ममता की घेराबंदी

सत्ता के लिए गैंगरेप आरोपियों को बचाने पर उतर आईं सीएम

उनके दिमाग में डिफेक्ट

बंगाल

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले का वह गांव जहां दलित बच्ची की गैंगरेप के बाद मौत हुई, वह कोलकाता से करीब 150 किलोमीटर और बांग्लादेश बॉर्डर से केवल 10-12 किलोमीटर दूर है। वहां राशन भी मुश्किल से पहुंचता है। पूरे इलाके की सेहत झोलाछाप डॉक्टरों के हवाले है। बिजली पाने के लिए यहां जुगाड़ चाहिए। पक्ष या विपक्ष के नेता चुनाव से कुछ दिन पहले ही वहां पहुंचते हैं, लेकिन इन दिनों वहां नेताओं जमावड़ा है। राज्य से लेकर दिल्ली तक के बड़े-बड़े नेता वहां पहुंच रहे हैं। दलित बच्ची के गैंगरेप और फिर उसकी मौत को लेकर पुलिस और राज्य सरकार सवालों के घेरे में है। दूसरी तरफ सीएम ममता बनर्जी और बंगाल पुलिस इस मामले को तूल देने के पीछे बीजेपी की साजिश का ढिंढोरा पीट रही है। बंगाल की सत्ता में लंबे समय तक रही सीपीआई (रू), कांग्रेस और अब विपक्ष

ममता से नाराजगी का फायदा बीजेपी को मिला

2021 के चुनाव में टीएमसी का 10 साल का दबदबा टूटा

16 सीटों में से 7 बीजेपी ने जीतीं, 8 टीएमसी के पास

मजबूरी में ममता ने नेताओं, कार्यकर्ताओं को बेलगाम छोड़ा

का चेहरा बन चुकी बीजेपी लगातार सवाल उठा रही है। टीएमसी एक तरफ है तो अन्य तीनों पार्टियां दूसरी तरफ।

दीदी के खिलाफ एकजुट बंगाल के राजनीतिक दल:- बंगाल में गुंडागर्दी है, बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, रोज रेप हो रहा है। सीएम ममता बनर्जी आरोपियों को बचा रही हैं। इसलिए अब केंद्र को दखल देना होगा, कड़े कदम उठाने होंगे। तीन दशक से भी ज्यादा बंगाल में शासन करने वाली सीपीआई (रू) के पदाधिकारी कामरेड कौशिक मिश्रा की केंद्र से बंगाल सरकार के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग से साफ है, यहां ममता के शासन के खिलाफ लाल झंडाभगवा झंडे के साथ है। दूसरे राज्यों में बीजेपी के खिलाफ खड़ी कांग्रेस, यहां सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ बीजेपी के साथ है। नदिया जिले की यूथ कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी चंदन दे कहते हैं, यहां भ्रष्टाचार से सब परेशान हैं, एक सड़क बनती है तो साल भर भी नहीं चल पाती। हमारे जिले में जो रेप हुआ, उसमें TMC का नेता पंचायत उप प्रधान का बेटा शामिल है। ममता उसे बचाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।

तेजप्रताप बोले- नीतीश से सीक्रेट बात हुई है, खेला होगा : सरकार बनाने का किया दावा; इफ्तार पार्टी में शामिल हुए थे मुख्यमंत्री

नई दिल्ली

राबड़ी देवी के घर शुक्रवार को हुई इफ्तार पार्टी के बाद तेजप्रताप यादव ने सरकार बनाने का दावा किया है। 5 साल बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी राबड़ी आवास पहुंचे थे। तेजप्रताप ने कहा है कि उनकी नीतीश कुमार से सीक्रेट बातचीत हुई है, बिहार में खेला होगा, हम सरकार बनाएंगे।

नीतीश कुमार के बगल में जगह बनाई और अंत में ही उठे:- तेजप्रताप यादव कई बार अपने बयानों से चर्चा में रहे हैं। नीतीश कुमार से क्या सीक्रेट बात हुई है वही जानें। लेकिन शुक्रवार को राबड़ी देवी के इफ्तार पार्टी में

उन्होंने नीतीश कुमार के ठीक बगल में अपनी जगह बना ली और अंत तक बैठे रहे। वह टू सीटेड सोफा था। तेजस्वी उसके बाद बैठे। ज्यादातर समय तेजस्वी खड़े दिखे। इस बीच लालू प्रसाद की सांसद बेटी मीसा भारती ने नीतीश कुमार के पास जाकर उनसे देर तक बातचीत की। इफ्तार के बाद नीतीश कुमार को बाहर तक छोड़ने की बात हो या फिर अन्य बड़े नेताओं को तेजस्वी यादव ने ही इस आतिथेय को निभाया। वे कई बार अंदर से बाहर सड़क तक आए-गए। पूरा आयोजन तेजस्वी यादव के इर्द-गिर्द ही दिखता रहा। इस बीच दिनों बाद उनके रणनीतिकार संजय यादव भी दिखे। तेजप्रताप यादव, तेजस्वी यादव के करीबी जिन लोगों से खफा रहते हैं उनमें से जगदानंद सिंह, शिवानंद तिवारी, सुनील सिंह, संजय यादव आदि आयोजन में एक्टिव दिखे। शिवानंद तिवारी ने इंटरव्यू में क्या कहा था याद कीजिए जदयू के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने कुछ सप्ताह पहले दिए इंटरव्यू में कहा था कि %नीतीश कुमार के बारे में आप लोगों को गलतफहमी है। उस आदमी ने कभी रिस्क नहीं लिया। सदन में संकल्प लेकर पलट जाने वाले को देश की जनता अब पीएम मटेरियल मानेगी यह असंभव चीज है। वे जानते हैं कि नरेन्द्र मोदी क्या चीज हैं। वे जैसे इधर से उधर होंगे कि ईडी और सीबीआई की जांच शुरू हो जाएगी। तुरंत अंदर कर दिए जाएंगे।

प्रयागराज में परिवार के 5 लोगों की हत्या

» बेटी और गर्भवती बहू के साथ रेप की आशंका, 2 साल की बच्ची का भी मर्डर; लखनऊ STF को जांच

प्रयागराज

प्रयागराज में दिल दहला देने वाली वारदात हुई है। यहां एक परिवार के 5 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई। मृतकों में पति-पत्नी, उनकी बेटी, गर्भवती बहू और एक 2 साल की पोती है। हत्यारों ने 5 साल की बच्ची पर भी हमला किया। हालांकि, वह बच गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आशंका है कि हत्यारों ने विकलांग बेटी और गर्भवती बहू के साथ रेप भी किया है। क्योंकि, इन दोनों के शरीर के निचले हिस्से पर कपड़े नहीं थे। सिर्फ यही नहीं, वारदात के बाद हत्यारों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। वारदात शहर मुख्यालय से 40 किमी. दूर थरवई थाना क्षेत्र के खेवराजपुर गांव की है। वीभत्स हत्याकांड से प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। योगी सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लखनऊ एसटीएफ को इस पूरे मामले की जांच सौंप दी है। लखनऊ एसटीएफ प्रयागराज के लिए रवाना हो गई है। वहीं, प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव भी पीड़ित परिवार से मिलने के लिए प्रयागराज के लिए निकल गए हैं। खेवराजपुर गांव में राजकुमार यादव (55) पत्नी कुसुम (50), एक बेटा सुनील (35), बहू सविता (30), बेटी मनीषा (25) और दो पोतियां साक्षी (5) और मीनाक्षी (2) के साथ रहते थे। शनिवार तड़के करीब 4 बजे राजकुमार के घर से धुआं उठ रहा था।

न्यूज ब्रीफ

किम जोंग के बदले तेवरःसा. कोरिया के राष्ट्रपति का अमन की पहल के लिए शुक्रिया अदा किया, लेकिन नए राष्ट्रपति से खौफजदा

कोरिया। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने साउथ कोरिया के मौजूदा राष्ट्रपति को थैंक्यू कहा है। दरअसल, साउथ कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन ने किम को एक लेटर लिखा था। इसका किम ने जवाब दिया। खत में किम ने पड़ोसी देश के राष्ट्रपति के काम को सराहा और अमन बहाली की कोशिशों के लिए उनका शुक्रिया भी अदा किया। मून जल्द रिटायर होने वाले हैं। 10 मई को यूं सुक योल साउथ कोरिया के नए प्रेसिडेंट बनेंगे। खास बात यह है कि योल कट्टर राष्ट्रवादी नेता हैं। नॉर्थ कोरिया के रवैये को देखते हुए योल ने पहले ही दोनों देशों के बीच सैन्य समझौते को रद्द करने की चेतावनी दी है। इसके अलावा साफ कर दिया है कि साउथ कोरिया दोबारा न्यूक्लियर टेस्टिंग शुरू करेगा। इसके मायने ये हुए कि नई सरकार नॉर्थ कोरिया को उसी की भाषा में जवाब देने की तैयारी कर रही है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान योल ने कहा था- नॉर्थ कोरिया के हमले से बचाव के लिए हम पहले उस पर अटैक कर सकते हैं।

खत में दोनों देशों के संबंध बेहतर करने की बात:- कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा- नॉर्थ-साउथ कोरिया के बीच लेटर एक्सचेंज दोनों के बीच भरोसे को दिखाता है। किम को लिखे खत में राष्ट्रपति मून ने कहा है- मैं रिटायरमेंट के बाद भी दोनों देशों के संबंध बेहतर करने के लिए कोशिश करता रहूंगा।

किम ने सा. कोरिया की शांति पहल को किया था नजरअंदाज:- किम और मून के बीच 2018 में 3 बार बातचीत हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव को कम करने के लिए एक समझौता हुआ था। साथ ही किम और तब के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच भी बातचीत मुमकिन हुई थी।

लॉकडाउन में 18 फीसदी से ज्यादा बच्चों का इलाज केमिस्ट-कंपाउंडर ने किया : नीति आयोग

नई दिल्ली

देश की स्वास्थ्य व्यवस्था इस कदर बदहाल है कि यहां केमिस्ट और कंपाउंडर डॉक्टर बनकर लोगों का इलाज कर रहे हैं। स्थिति यह है कि लॉकडाउन में लॉकडाउन के दौरान 18 फीसदी से ज्यादा बच्चों का इलाज केमिस्ट या कंपाउंडर ने किया, जबकि छह फीसदी माता-पिता ने डर के मारे बीमार बच्चों का इलाज ही नहीं करवाया। यह तथ्य नीति आयोग के सर्वे में सामने आए हैं। यह सर्वे नीति आयोग की देखरेख में महिला बाल विकास मंत्रालय और राज्यों के हेल्थ मिशन ने देश के 11 राज्यों में करवाया था। इसमें सामने आया है कि कोरोना संक्रमण फैलने के बाद देश में लॉकडाउन लगा, तब लोगों ने न सिर्फ घर से निकलना बंद कर दिया बल्कि बीमार होने पर भी इलाज के लिए अस्पताल जाने से डरने लगे। बड़ी संख्या में बीमार बच्चों का इलाज आंगनबाड़ी सेविका के साथ-साथ केमिस्ट और कंपाउंडर द्वारा किया गया। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक 52 फीसदी मरीजों का इलाज निजी अस्पतालों में हुआ, जबकि 29 फीसदी ने सरकारी अस्पताल में इलाज कराया। यही नहीं, 18 फीसदी बच्चे ऐसे भी थे, जिनका इलाज शहरी और ग्रामीण इलाकों में केमिस्ट या कंपाउंडर ने किया। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 94 फीसदी बच्चों को लॉकडाउन के दौरान इलाज मिला। सर्वे में आंगनबाड़ी सेविका को भी इलाज करने वाला बताया गया है। छह फीसदी बच्चे ऐसे थे, जिनका इलाज नहीं हुआ। इनमें दो-तिहाई बच्चों को दोस्त या परिवार के सदस्यों से पूछकर दवा दी गई। जबकि एक-तिहाई ने कोई दवा नहीं ली। जिन 11 राज्यों में सर्वे हुआ है उनमें आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा 21 फीसदी मरीजों को इलाज नहीं मिला। असम में 7 फीसदी बच्चों को इलाज नहीं मिल पाया। हरियाणा में 64, ओडिशा में 47 और राजस्थान में 57 फीसदी बच्चों का सरकारी अस्पताल और महाराष्ट्र में 86फीसदी, पंजाब में 84 फीसदी, यूपी में 71 फीसदी बच्चों का निजी अस्पतालों में इलाज कराया गया।

वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने को तैयार बिहार

एक साथ 75 हजार तिरंगे फहराकर पाकिस्तान का रिकॉर्ड तोड़ेगा भारत

गृहमंत्री के सामने बनेगा रिकॉर्ड

नई दिल्ली

वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव पर बिहार विश्व स्तर पर रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। भोजपुर के जगदीशपुर से वर्ल्ड रिकॉर्ड बनने वाला है। जगदीशपुर गांव में स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती पर 75 हजार झंडे एक साथ फहराए जाएंगे। इससे पहले ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम था। इसे अब भारत तोड़ने वाला है। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए गांव वालों को भी निमंत्रण दिया गया है।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम जगदीशपुर पहुंची:- भोजपुर के जगदीशपुर में वीर कुंवर सिंह के

विजयोत्सव के अवसर पर एक साथ 75,000 राष्ट्रीय ध्वज फहराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाएगा। इसको लेकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम जगदीशपुर पहुंच चुकी है। सूचना के मुताबिक गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लगभग 16 सौ अधिकारी और कर्मचारी इस पूरे कार्यक्रम में रहेंगे और वहां राष्ट्रीय ध्वज के रिकॉर्ड को दर्ज किया जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह के सामने इस रिकॉर्ड को सार्वजनिक किया जाएगा।

ड्रोन कैमरे से इसकी रिकॉर्डिंग कराई जाएगी:- इससे पहले एक साथ 57,500 राष्ट्रीय ध्वज फहराने का वर्ल्ड रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम दर्ज है। बताया जा रहा है कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अधिकारी और कर्मचारी कार्यक्रम के दौरान जगदीशपुर में एक्टिव रहेंगे। ड्रोन कैमरे से कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग कराई जाएगी। इसके अलावा जिन-जिन लोगों के हाथ में राष्ट्रीय ध्वज होगा उनके फिंगर प्रिंट भी लेने की तैयारी की गई है, ताकि इसे पुख्ता तरीके से रिकॉर्ड में शामिल किया जा सके।

पाक की सियासत : नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने कहा-

इमरान सरकार गिराने में यूएस का हाथ नहीं, साजिश के आरोप बेबुनियाद

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने 15 दिन में दूसरी बार साफ कर दिया है कि इमरान खान सरकार गिराने में किसी विदेशी ताकत (अमेरिका) का हाथ नहीं है। इमरान खान के लिए ह्स्ष्ट का यह बयान बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि वो अपनी हर रैली में यह आरोप लगा रहे हैं कि उनकी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव अमेरिका के इशारे पर लाया गया था। ह्स्ष्ट की एक मीटिंग पिछले महीने हुई थी, तब इमरान प्रधानमंत्री थे। तब भी मीटिंग के मिनिट्स जारी किए गए थे और फौज ने साफ कर दिया था कि विदेशी साजिश के कोई सबूत नहीं मिले हैं।

शहबाज शरीफ भी शामिल हुए

ह्स्ष्ट की शुक्रवार को मीटिंग हुई। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसकी अध्यक्षता की। खास बात यह है कि इसमें वो असद मजीद भी शामिल हुए जिनके कथित लेटर पर विवाद है। शहबाज और मजीद के अलावा जॉइंट

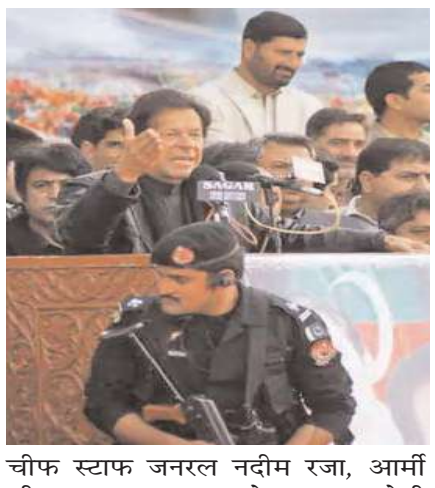

चीफ स्टाफ जनरल नदीम रजा, आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा, नेवी चीफ मोहम्मद अमजद खान नियाजी और एयरफोर्स चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर भी शामिल हुए। इनके अलावा डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ, होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह, इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर मरियम औरंगजेब और विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार भी इसका हिस्सा रहे।

दूसरी बार पुष्टि

ह्स्ष्ट की मीटिंग के बाद जारी बयान में कहा गया- हमने फिर उस कथित लेटर की जांच की है। इसमें सरकार के खिलाफ विदेशी साजिश जैसी कोई बात नहीं है। विवादित लेटर या केबल का मुद्दा मार्च की शुरुआत में सामने आया था।

क्या है इस लेटर में

सबसे जरूरी यह जानना है कि इमरान जो कागज दिखा रहे थे, वो वास्तव में है क्या। पाकिस्तान के सीनियर जर्नलिस्ट रिजवान रजी कहते हैं- यह कागज ब्लफ है, झूठ है और इसके सिवाए कुछ नहीं। कुछ महीनों पहले तक अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत थे असद मजीद। उनके बारे में ये जानना बेहद जरूरी है कि वो इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ के सदस्य और इमरान के खास दोस्त हैं। इमरान ने मजीद को एक मिशन सौंपा कि किसी तरह जो बाइडेन एक फोन इमरान को कर लें।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रेषित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवेल्पमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

नो बॉल विवाद : वाटसन ने कहा- दिल्ली इसका समर्थन नहीं करता अंपायर का फैसला मानना होगा

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच शेन वाटसन ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के आखिरी ओवर में जो कुछ हुआ टीम उसका समर्थन नहीं करती तथा खिलाड़ियों को अंपायरों का फैसला मानना चाहिए था और किसी का मैदान में जाना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

यह स्वीकार्य नहीं है : वाटसन

वाटसन ने मैच के बाद कहा, 'देखिए, उस आखिरी ओवर में जो हुआ वह बहुत निराशाजनक था। दिल्ली कैपिटल्स अंतिम ओवर में जो कुछ हुआ उसका समर्थन नहीं करता है।% उन्होंने कहा, 'अंपायर का फैसला, चाहे वह सही हो या गलत, हमें स्वीकार करना होगा। किसी का मैदान पर चले जाना, यह स्वीकार्य नहीं है। यह कुल मिलाकर अच्छा नहीं हुआ।%

रुकावट राजस्थान के लिए अच्छी साबित हुई : वाटसन

दिल्ली कैपिटल्स को अंतिम ओवर में 36 रन चाहिए थे। पॉवेल ने मैकॉय की पहली तीन गेंदों पर छक्के जड़ दिये थे। इस तरह से दिल्ली को अंतिम तीन गेंदों पर 18 रन चाहिए थे, लेकिन 15 मिनट की देरी से उनकी लय गड़बड़ा गयी और अगली तीन गेंदों पर केवल दो रन बने। वाटसन से पूछा गया कि क्या देरी के कारण लय गड़बड़ायी, उन्होंने कहा, 'जिस तरह से खेल का समापन हुआ उसे देखकर ऐसा लगता है। जब भी खेल में रुकावट आती है तो लय बिगड़ सकती है। इससे ओबेद मैकॉय को अपनी लय हासिल करने का मौका मिला। आखिर में वह रुकावट राजस्थान के लिए अच्छी साबित हुई। यह दुर्भाग्यपूर्ण रुकावट थी।% पंत गुस्से में दिखे।

अंपायर की बात सुननी चाहिए: उन्होंने कुलदीप और पॉवेल को वापस बुला लिया, इस बीच वाटसन उन्हें समझाने की कोशिश करते दिखे। इस पूर्व आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने कहा कि इस तरह की परिस्थितियों में खेल को जारी रखना चाहिए और अंपायर की बात सुननी चाहिए। वाटसन ने कहा, 'आखिर में आपको अंपायरों का फैसला सही हो या गलत, उसे स्वीकार करना होगा और खेल के साथ आगे बढ़ना होगा। मैं यही बात कर रहा था। हमें शुरू से सिखाया जाता है कि आपको अंपायरों के फैसले को स्वीकार करना होगा और हमें यही करना चाहिए था।

संगकारा का टिप्पणी करने से इनकार :- राजस्थान रॉयल्स टीम के निदेशक कुमार संगकारा ने आखिरी ओवर की इस घटना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। संगकारा ने कहा, ''मुझे लगता है कि वह अंपायर हैं जो खेल को संचालित करते हैं। आईपीएल में बहुत तनाव और दबाव होता है और चीजें नियंत्रण से बाहर जा सकती हैं।% उन्होंने कहा, 'अगर ऐसी स्थिति आती है तो अंपायर उसे नियंत्रित करते हैं और खेल जारी रहता है। मैं इसे इस तरह से देखता हूं। मैं यह नहीं कह सकता कि क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं।

जोस बटलर ने बनाए रिकॉर्ड : आईपीएल में एक सीजन में सबसे ज्यादा सेंचुरी जड़ने वाले पहले विदेशी प्लेयर

पडिक्कल के साथ मिलकर तोड़ा 13 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली

आईपीएल के 15 वें सीजन में जोस बटलर ने शुक्रवार को राजस्थान की ओर से खेलते हुए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस सीजन का तीसरा शतक जड़ा। ऐसा करने वाले वह पहले विदेशी खिलाड़ी भी बने। बटलर ने देवदत्त पडिक्कल के साथ राजस्थान के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी भी की। बटलर ने ने दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों की जमकर खबर ली और 57 गेंदों पर ही शतक बना गए। वे 65 गेंदों पर 116 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने 9 चौके और 9 छक्के भी लगाए।

आईपीएल में इस सीजन का तीसरा शतक:- बटलर का आईपीएल में इस सीजन का तीसरा शतक है। इससे पहले उन्होंने इस सीजन में ही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 103 रन और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 100 रन बनाए थे।

आईपीएल में विराट की रिकॉर्ड की बराबरी से एक शतक दूर

बटलर एक सीजन में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले विराट कोहली से एक शतक पीछे हैं। आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है। कोहली ने 2016 में कुल 4 शतक लगाए थे। अगर बटलर एक और शतक लगा लेते हैं, तो वह विराट की रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। विराट और बटलर के बाद क्रिस गेल (2011), हाशिम अमला (2017), शेन वॉटसन (2018) और शिखर धवन (2020) ने दो-दो शतक लगाए है।

राजस्थान के लिए पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी

बटलर ने देवदत्त पडिक्कल के साथ मिलकर राजस्थान के लिए पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी की। 13 साल पहले 2009 में ग्रीम स्मिथ और नमन ओझा ने किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के खिलाफ पहले विकेट के लिए 135 रनों की साझेदारी की थी। बटलर और देवदत्त ने 155 रनों की साझेदारी कर उन्हें पीछे छोड़ दिया।

नो बॉल विवाद पर दिल्ली टीम पर कार्रवाई

पंत, शार्दूल ठाकुर पर लगा जुर्माना दिल्ली के सहायक कोच हुए सस्पेंड

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शुक्रवार को हुए मुकाबले में नो-बॉल विवाद पर दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत, शार्दूल ठाकुर और प्रवीण आमरे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हुई है। कप्तान पंत पर मैच फीस का 100 फीसदी जुर्माना और शार्दूल ठाकुर पर मैच फीस का 50 फीसदी का जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही प्रवीण आमरे पर एक मैच का बैन लगा दिया गया है।

ऋषभ ने अपने स्टैंड को सही बताया:- वहीं पंत ने अपने स्टैंड को सही बताया। मैच के बाद ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए पंत ने कहा कि स्टेडियम में मौजूद तमाम लोगों ने देखा कि तीसरी गेंद नो बॉल थी। अगर उसे नो बॉल दिया जाता तो मैच का नतीजा बदल सकता था। जब अंपायर उस मामले को थर्ड अंपायर को रेफर करने को तैयार नहीं हुए, तब पंत ने अपने बल्लेबाजों को मैच छोड़कर वापस आने को कहा था।

पंत चाहते थे कि गेंद को थर्ड अंपायर चेक करें:- पंत ने कहा- राजस्थान के गेंदबाज हमारी पारी में अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे। लेकिन, रोवमैन पॉवेल ने आखिरी ओवर की पहली तीन गेंदों पर छक्का जमाकर मैच में हमारी वापसी करा दी थी। तीसरी गेंद काफी अहम थी। अगर वह नो-बॉल होती तो आगे कुछ भी हो सकता था। हम चाहते थे कि थर्ड अंपायर रीप्ले देखकर फैसला करें।

पंत अपने बल्लेबाजों को वापस बुलाने पर अड़े थे

ग्राउंड अंपायर्स नितिन मेनन और निखिल पटवर्धन का मानना था कि गेंद नो बॉल नहीं थी। दिल्ली के डगआउट में मौजूद कप्तान पंत और कोच प्रवीण आमरे का मानना था कि गेंद कमर से ऊपर थी और उसे नो-बॉल दिया जाना चाहिए। अंपायर के फैसले से नाराज पंत ने अपने बल्लेबाजों को ग्राउंड से वापस आने को कह दिया। बल्लेबाज वापस भी आने लगे थे। इसके बाद कोच आमरे अंपायर के पास गए, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। वे चाह रहे थे कि अंपायर कम से कम मामले को थर्ड अंपायर के पास रेफर करें।

सहायक कोच भी हुए पंत पर गुस्सा:- पंत के खिलाड़ियों के बुलाए जाने पर सहायक कोच शेन वॉटसन भी पंत पर नाराज दिखे। उन्होंने पंत को बल्लेबाजों को बुलाए जाने पर अपनी नाराजगी जाहिर की और पंत को समझाया। जिसके बाद पंत शांत हुए।

क्यों थर्ड अंपायर के पास नहीं गए ग्राउंड अंपायर्स

हाइट वाली नो बॉल थर्ड अंपायर को रेफर करने का कोई नियम नहीं है, इसलिए ग्राउंड अंपायर्स ने तीसरी गेंद पर थर्ड अंपायर के पास चेक करने के लिए नहीं भेजा। इस पर ऋष्क और ऑस्ट्रेलियाई टीम के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने भी ट्वीट किया और लिखा- अंपायर हर गेंद पर फ्रंट फुट के लिए नो बॉल चेक करते हैं, लेकिन हाई फुल टॉस चेक नहीं कर सकते?

क्या था पूरा मामला

आखिरी ओवर में दिल्ली को जीत के लिए 6 गेंदों पर 6 छक्कों की जरूरत थी। रॉवमैन पावेल ने ओबेड मकॉय के इस ओवर की पहली तीन गेंदों पर तीन छक्के जमा दिए। सारा विवाद तीसरी गेंद को लेकर हुआ। पावेल ने जब गेंद को हिट किया तब वह कमर से ऊपर दिखाई दे रही थी। इस तरह नियम के तहत, उसे नो-बॉल दिया जाना चाहिए था। अंपायर ने ऐसा नहीं किया और न ही मामले को थर्ड अंपायर को रेफर किया।

मेनोर्का इंटरनेशनल शतरंज

अर्जुन की लगातार दूसरी जीत गुकेश विश्व टॉप 100 में पहुंचे

मेनोर्का,स्पेन

भारत के चौथे नंबर के खिलाड़ी 18 वर्षीय ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी को मेनोर्का इंटरनेशनल शतरंज में शीर्ष वरीयता दी गयी है और उन्होने शुरुआती दो राउंड जीतकर अच्छी शुरुआत भी कर ली है । अर्जुन नें पहले राउंड में मेजबान स्पेन के लुईस पाबलों और दूसरे राउंड में इज़राइल की अलीनसब मोबिना को पराजित किया । वैसे 1 मई को होने वाली आगामी शतरंज ओलंपियाड के लिए भारतीय टीम के चयन के ठीक पहले अधिकतर भारतीय खिलाड़ी अपनी विश्व रैंकिंग को सुधारने में लगे हुए है । अर्जुन के अलावा इस प्रतियोगिता में निहाल सरीन , डी गुकेश ,अधिबन भास्करन ,रौनक साधवानी ,एसपी सेथुरमन ,आर्यन चोपड़ा नें भी अपने पहले दोनों मुकाबलों की जीतकर अच्छी शुरुआत कर ली है । प्रतियोगिता में 25 देशो के 137 खिलाड़ी भाग ले रहे है । कुल 7 राउंड की इस प्रतियोगिता में 24 अप्रैल को आखिरी मुक़ाबला खेला जाएगा ।

लीजेंड मुक्केबाज माइक टायसन ने फ्लाइट में सफर के दौरान यात्री को पीटा

सैन फ्रांसिस्को

अमरीका के पूर्व लीजेंड मुक्केबाज माइक टायसन ने उन्हें फ्लाइट के दौरान परेशान करने वाले और उन पर बोतल फेंकने वाले यात्री को पीट डाला। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरने जा रहे विमान में सवार एक यात्री को कई मुक्के मारे, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल वो शख्स बार-बार टायसन से बात करने की कोशिश कर रहा था, जिससे टायसन परेशान हो गए और उन्होंने उस यात्री को मुक्के मारने शुरु कर दिए। फुटेज में टायसन को अपनी सीट के पीछे झुकते हुए

और उस शख्स को मुक्के मारते हुए दिखाया गया है। बुधवार को हुई इस घटना के वीडियो में ये भी देखा जा सकता है कि टायसन ने जिस शख्स को मुक्के मारे थे उसे चोट के निशान आए हैं और खून भी बह रहा था। आयरन माइक शुरू में यात्री के साथ सही थे लेकिन जब उसने बार-बार टायसन से बात करने की कोशिश की तो वो चिढ़ गए और उसे मुक्के मारने शुरु कर दिए। वीडियो में दिखाया गया है कि 55 साल के माइक टायसन आगे की सीट पर बैठे होते हैं। उनके पीछा बैठा शख्स पहले तो उनसे बात करता है। इसके बाद वो बार-बार उनके बारे में बात करते हुए दिखाई देता है। वीडियो देखकर पता लग रहा है कि वीडियो उस शख्स का दोस्त बना रहा था क्योंकि वो बार-बार टायसन की तरफ देखकर कैमरे की ओर कुछ बोल रहा था।

सर्बिया ओपन : पहला सेट गंवाने के बाद जोकोविच की शानदार वापसी, सेमीफाइनल में पहुंचे

बेलग्रेड

विश्व में शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद अच्छी वापसी करके सर्बिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी। जोकोविच ने मियोमीर केकमानोविच को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया। यह उनकी हमवतन सर्बियाई खिलाड़ी के खिलाफ लगातार 10वीं जीत है। सेमीफाइनल में जोकोविच तीसरी वरीयता प्राप्त कारेन खाचनोव से भिड़ेंगे, जिन्होंने ब्राजील के क्वालीफायर थियागो मोंटेइरो को 7-5, 6-4 से पराजित किया। जोकोविच को इससे पहले बुधवार को भी हमवतन लासलो जेरे पर 2-6, 7-6 (6), 7-6 (4) से जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा था। इससे पहले गुरुवार को दूसरी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने जिरी लाचेका को 4-6, 7-6 (1), 6-2 से और फैबियो फोगनिनी ने अलयाज बेडेने को 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

टीडीएस 25 हजार तो आईटीआर

नई दिल्ली। सरकार ने करदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास तेज कर दिया है। इसके तहत सरकार ऐसे लोगों के लिए भी आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरना अनिवार्य करेगी जिनकी आय कराधान सीमा से कम है। इनमें ऐसे लोग शामिल हैं, जिनका स्रोत पर काटा गया कर (टीडीएस) या स्रोत पर जमा कर किसी वित्त वर्ष के दौरान 25,000 रुपये या इससे अधिक है। वरिष्ठ नागरिकों के मामले में यह सीमा 50,000 रुपये होगी। 21 अप्रैल को आए संशोधन के अनुसार अब वे लोग भी कराधान के दायरे में लाए जाएंगे, जिन्हें पहले आयकर रिटर्न नहीं भरना पड़ता था। सूत्रों के अनुसार यह नया संशोधन ऐसे लोगों की कमाई और खर्च में असंतुलन का पता लगाने के मकसद से किया गया है। इसके अलावा जो अपने बैंक बचत खाते में किसी वित्त वर्ष के दौरान 50 लाख रुपये या इससे अधिक रकम जमा करेंगे वे भी इस नए प्रावधान के दायरे में आएंगे। सरकार इस नई कवायद में उन कारोबारों एवं पेशेवरों को भी शामिल करेगी, जिनका सालाना कारोबार क्रमश= 60 लाख रुपये से अधिक और प्राप्तियां (प्रोफेशनल रिसीट) 10 लाख रुपये से अधिक होंगे। इस नए प्रावधान के तहत इस बात पर गौर नहीं किया जाएगा कि उनकी आय 2.5 लाख रुपये बुनियादी कर छूट की सीमा से कम है। इसका आशय है कि छोटे कारोबारों एवं पेशेवरों को उक्त शर्तें पूरी करने की स्थिति में अनिवार्य रूप से आयकर रिटर्न दाखिल करना होगा। ऐसे लोगों के लिए आयकर रिटर्न जमा करना अनिवार्य बनाने के लिए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम की धारा 139 (1) में 7वां प्रावधान जोड़ा है। इन नियमों को आयकर (9वां संशोधन) नियम, 2020 नाम दिया जा सकता है। सीबीडीटी की अधिसूचना के अनुसार यह नियम आधिकारिक राजपत्र प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी होगा। कर विशेषज्ञों का मानना है कि आयकर रिटर्न के संदर्भ में नए प्रावधान जोड़े जाने के बाद वे लोग कर देने से बच नहीं पाएंगे, जो अधिक खर्च करते हैं। नांगिया एंडरसन एलएलपी में पार्टनर संदीप झुनझुनवाला ने कहा, %इन संशोधनों से अनिवार्य रिटर्न जमा करने का दायरा बड़ा हो गया है। इसमें चार अतिरिक्त शर्तें जोड़ी गई हैं। टीडीएस/टीसीएस के लिए इतनी न्यूनतम सीमा तय करने से आने वाले वर्षों में करदाताओं की संख्या में इजाफा होगा।

भारत ने श्रीलंका को ईंधन खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त ऋणसुविधा दी

कोलंबो। गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे श्रीलंका की मदद के लिए भारत उसे ईंधन खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त ऋणसुविधा देने के लिए राजी हो गया है। श्रीलंका के वित्त मंत्री अली साबरी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि भारत से मिलने वाली इस ऋणसुविधा का इस्तेमाल कच्चे तेल के आयात के लिए किया जाएगा। विदेशी मुद्रा के अभाव में श्रीलंका अपनी ईंधन जरूरत के लिए तेल भी आयात नहीं कर पा रहा है। हालांकि श्रीलंका ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से त्वरित वित्तीय मदद के लिए गुहार लगाई हुई है।

भीलवाड़ा में 18 देशों से बढ़े कपड़ों के ऑर्डर : महंगे कॉटन से 30 फीसदी तक बढ़े कपड़ों के दाम

» मांग में भी इजाफा

नई दिल्ली
गर्मी बढ़ने के साथ-साथ इस मौसम में ज्यादा पसंद किए जाने वाले कॉटन के कपड़े भी 30 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में कॉटन की कीमतें बढ़ना इसकी सबसे बड़ी वजह है। खास बात ये है कि कीमत में इजाफे के बीच मांग में भी तकरीबन 20 फीसदी का इजाफा देखने को मिल रहा है। आलम ये है कि सौ फीसदी क्षमता से काम करने के बावजूद भीलवाड़ा की यार्न मिलें मांग पूरी नहीं कर पा रही हैं।

कोविड महामारी के बाद मिल रहे ज्यादा ऑर्डर

कारोबारियों के मुताबिक, कोविड महामारी के बाद 18 देशों से कॉटन यार्न और कपड़ों के पहले से ज्यादा ऑर्डर आ रहे हैं। यूरोप, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका इसमें शामिल है। भीलवाड़ा से इन देशों को करीब ढाई लाख टन कॉटन यार्न का निर्यात होता है, जो कि कुल उत्पादन का 65 फीसदी है। दूसरी ओर, इस साल देश में कॉटन का उत्पादन 10 फीसदी कम हुआ है।

कॉटन का उत्पादन कम रहने का अनुमान

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया का अनुमान है कि इस साल देश में कुल उत्पादन 315 लाख गांठ रहेगा, जबकि उत्पादन 350 लाख गांठ का रहता है। एक गांठ में 170 किलो कॉटन होता है। इसके अलावा ब्राजील, चीन और अर्जेंटीना में भी कॉटन का उत्पादन घटा है। ऐसे में कॉटन 15-30 फीसदी महंगा हो गया है और कॉटन के कपड़ों के दाम 25-30 फीसदी बढ़ गए हैं।

साढ़े तीन माह में 30 फीसदी बढ़े कॉटन के भाव

जनवरी से अप्रैल के पहले पखवाड़े तक देश में कॉटन के भाव 30 फीसदी तक बढ़ गए हैं। ओरिगो ई-मंडी के असिस्टेंट जीएम तरुण तत्संगी ने कहा, कॉटन हमारे लक्ष्य 45,000 रुपए के करीब है। यह 48,000 रुपए तक जा सकता है।

बंगाल में ढलाई उद्योग पर यूक्रेन युद्ध की आंच

नई दिल्ली
पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 60 वर्षीय माणिक मिद्दे के जीवन पर रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण जिंसों की कमी का सीधा असर पड़ रहा है। कच्चे माल की बढ़ती कीमतों की वजह से ढलाई घरों (फाउंड्री) में उत्पादन स्तर कम हो गया है जिसके चलते उनके काम के घंटे कम हुए हैं, नतीजतन उनकी मजदूरी भी घट गई है। इस क्षेत्र में सैकड़ों ढलाई घर हैं जो इस संकट की आंच झेलने के लिए मजबूर हैं। मिद्दे ने कहा, मैं एक दिन में 700 रुपये कमाता था और अब यह रकम कम होकर आधी रह गई है क्योंकि ढलाई घरों ने इनपुट लागत में वृद्धि की वजह से उत्पादन में कटौती कर दी है। यह एक मुश्किल हालात है लेकिन सभी कारखानों में एकसमान स्थिति है।% पश्चिम बंगाल में लगभग 500 ढलाईघर और भट्ठी इकाइयां हैं जिनमें से 95 प्रतिशत हावड़ा में हैं और वे इस वक्त गंभीर संकट से जूझ रही हैं। सुजीत कुमार साहू साप्ताहिक भुगतान के आधार पर काम करते हैं। उनके वेतन में फरवरी के बाद से 28 प्रतिशत की कमी आई है। वेतन में आई इस कमी की भरपाई करने के लिए उन्हें कई इकाइयों में काम करना पड़ता है क्योंकि उनकी कंपनी अधिकांश दिनों में लगभग एक-तिहाई कार्यबल के साथ आधी ही शिफ्ट में काम करा रही है। बनारस रोड पर बड़ी तादाद में ढलाई घर हैं और यहां हर जगह कामगारों के वेतन में कमी आई है और इसका असर अन्य कारोबार पर भी पड़ रहा है। मिसाल के तौर पर यहां पास में खाने के एक स्टॉल के मालिक ने पिछले कुछ महीने में कमाई में 20-30 प्रतिशत की गिरावट देखी है। श्रमिकों को काम करने के लिए अन्य क्षेत्रों में भेज दिया गया है और जो अब भी यहां हैं वे अपने खर्च पर कटौती कर रहे हैं। फूड स्टॉल के मालिक का कहना है, अब जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। पश्चिम बंगाल के फाउंड्री उद्योग का लगभग 95 प्रतिशत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) हैं और वे अनुबंध के आधार पर श्रमिकों की नियुक्ति करते हैं। लेकिन यहां सिर्फ मजदूर ही घाटा नहीं सह रहे हैं बल्कि पूरे कारोबार पर ही असर दिख रहा है, मसलन फाउंड्री मालिकों से लेकर श्रमिक, सांचा डालने वाले लोग और यहां तक कि दुकानदार भी कम मार्जिन के साथ काम कर रहे हैं। इंडियन फाउंड्री एसोसिएशन (आईएफए) के उपाध्यक्ष आकाश मधोगरिया ने कहा, फाउंड्री उद्योग में अभी स्थिति बेहद गंभीर है। कोक, कच्चे लोहे का प्रमुख कच्चा माल है जो फाउंड्री इकाइयों के लिए भी एक अहम कच्चा माल है। मधोगरिया ने कहा, %यूक्रेन युद्ध के बाद, कोक की कीमतें बढ़ गईं और अधिकांश इकाइयों के पास कच्चा माल खरीदने के लिए पैसा नहीं बचा है। ग्राहक मूल्य में वृद्धि का भार नहीं उठा रहे हैं। स्टीलमिंट के आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी में मेट कोक (कटक) के लिए औसत मासिक मूल्य 50,000 रुपये प्रति टन था और 12 अप्रैल तक यह 58,000 रुपये हो गया। वहीं कच्चा लोहा (स्टील ग्रेड दुर्गापुर) जनवरी में 43,000 रुपये प्रति टन और 12 अप्रैल तक 57,900 रुपये था। आईएफए के अध्यक्ष दिनेश सेकसरिया ने कहा, %कच्चे माल की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि छोटी इकाइयों का अस्तित्व दांव पर लगा है। उनकी कार्यशील पूंजी अब कम पड़ गई है और खरीदार कीमतों में वृद्धि करने के लिए तैयार नहीं हैं।% सेकसरिया के अनुमान के अनुसार लगभग 20 प्रतिशत फाउंड्री ने अपना कारोबार समेट लिया जबकि बाकी करीब 20 से 50 प्रतिशत के बीच काम कर रहे हैं।

इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

सोना 1,116 और चांदी 3,225 रुपए सस्ती हुई

नई दिल्ली
सोने-चांदी के दामों में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत यानी 18 अप्रैल को सोना 53,590 रुपए पर था जो अब 23 अप्रैल को 52,474 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,116 रुपए कम हुई है।

चांदी भी 67 हजार से नीचे आई:- IBJA की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 69,910 रुपए पर थी जो अब 66,685 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 3,225 रुपए कम हुई है।

इस साल सोना-चांदी अब भी बढ़त में

अगर 2022 की बात करें तो इस साल अब तक सोना 4,195 रुपए महंगा हो गया है। 1 जनवरी को ये 48,279 रुपए प्रति 10 ग्राम में था जो अब 52,474 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी की बात करें तो ये 62,035 रुपए से बढ़कर 66,685 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी ये भी इस साल अब तक 4,650 रुपए महंगी हुई है। आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा। इसमें आप लेटेस्ट रेट्स चेक कर सकते हैं।

टाटा मोटर्स की कारें फिर महंगी

वैरिएंट और मॉडल के आधार पर कीमतों में 1.1 फीसदी का इजाफा, लागत बढ़ना कंपनी ने बताई वजह

नई दिल्ली
ऑटो कंपनियों का कीमत बढ़ाने का ट्रेंड थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी क्रम में टाटा मोटर्स ने फिर अपने व्हीकल्स की कीमतों में वैरिएंट और मॉडल के आधार पर औसतन 1.1 फीसदी का इजाफा किया है। ये कीमतें आज यानी 23 अप्रैल 2022 से लागू होंगी। हालांकि कौन-सा मॉडल कितना महंगा होगा इस बात की जानकारी कंपनी ने नहीं दी है। कंपनी कीमत बढ़ाने के पीछे की वजह बढ़ती महंगी लागत को बताया है।

यह पहली बार नहीं है जब टाटा मोटर्स ने अपने व्हीकल्स की कीमतों को बढ़ाया है। उन्होंने जनवरी 2022 में वैरिएंट और मॉडल के आधार पर 0.9 फीसदी का इजाफा किया था।

एक दिन में 101 ईवी बेचने का रिकॉर्ड बनाया

कंपनी के ईवी मॉडल की डिमांड हाई लेवल पर है। टाटा की नेक्सन ईवी भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार है। टाटा मोटर्स ने हाल ही में एक दिन में ही 101 ईवी (70 नेक्सन ईवी और 31 टिगोर ईवी) की रिकॉर्ड डिलीवरी की है। इसके पहले मारुति सुजुकी ने भी 18 अप्रैल से अपनी कारों की कीमत बढ़ा चुकी है।

अब खाने के तेल की कीमतें बढ़ेंगी

इंडोनेशिया ने पाम ऑयल के निर्यात पर लगाया बैन, भारत में बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली
दुनिया के सबसे बड़े पाम ऑयल उत्पादक और निर्यातक इंडोनेशिया ने अपने देश में ही इसकी किल्लत के चलते निर्यात पर रोक लगा दी है। यह रोक 28 अप्रैल से शुरू होगी और किल्लत खत्म होने तक चलेगी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने शुक्रवार को कहा, मैं खुद इसकी निगरानी करूंगा, ताकि देश में खाद्य तेल की आपूर्ति पर्याप्त रहे और कीमत भी कम रहे। दरअसल, खाद्य तेलों के दाम बढ़ने से इंडोनेशिया में ज्यादातर पाम ऑयल उत्पादक इसका निर्यात करने लगे थे। यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया के कई देश अपने यहां खाद्यान आपूर्ति सामान्य और कीमतें स्थिर रखने के लिए कृषि उत्पादों के निर्यात को सीमित या प्रतिबंधित कर रहे हैं। वनस्पति तेल सप्लायर अर्जेंटीना ने सोयाबीन तेल पर निर्यात कर बढ़ा दिया है।

ग्लोबल मार्केट में बढ़ सकती हैं कीमतें:- इंडोनेशिया द्वारा बैन की घोषणा के बाद अमेरिकी सोया तेल वायदा 3 फीसदी से ज्यादा उछलकर 84.03 सेंट प्रति पाउंड के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा। ट्रेड बॉडी सॉल्वेंट एक्ट्रेक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अतुल चतुर्वेदी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि यह कदम पूरी तरह से अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस कदम से न केवल सबसे बड़े खरीदार भारत में बल्कि विश्व स्तर पर उपभोक्ताओं को नुकसान होगा, क्योंकि पाम दुनिया का सबसे अधिक खपत वाला तेल है।

जनवरी में भी लगाया गया था बैन

इससे पहले जनवरी में इंडोनेशिया ने पाम ऑयल के निर्यात पर बैन लगाया था, हालांकि बैन को मार्च में हटा लिया गया था।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)